छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg.No. - CHHHIN / 2009/36148
डाक पंजीयन क्र. - 49 / रायगढ़ / C.G./2021-2023

वर्ष - 14 ■ अंक - 115 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 29 अप्रैल 2023 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

www.cgfrontline.com

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों का सीधे ग्रामीणों से लिया फीडबैक

जहां संतोषजनक प्रगति नहीं, वहां पीएचई के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण काम आगामी सप्ताह में पूरा करने दिए सख्त निर्देश, कहा- लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन की स्थिति का जायजा लेने औचक निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत बरढोढ़ी, सिंगीटाना, रजपुरी में कलेक्टर ने नल कनेक्शन का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने सीधे पहले ग्रामीणों से फीडबैक लिया। इस दौरान कुछ जगहों में संतोषजनक प्रगति नहीं दिखने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने पीएचई विभाग को सख्त निर्देश दिया कि आगामी सप्ताह में योजना के तहत अंबिकापुर शहर के नजदीकी ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शन का काम पूरा करें। निर्देशों का पालन नहीं होने पर एसडीओ पीएचई, सब इंजीनियर और ठेकेदार तीनों पर बड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अन्य क्षेत्रों के काम में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी ठेकेदारों के साथ बैठक करें और नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। इस काम में लापरवाही व गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रजपुरी में निरीक्षण के दौरान जिन जगहों पर नल कनेक्शन से जल आपूर्ति हो रही है, वहां हितग्राही से कलेक्टर ने बात की, जिस पर हितग्राही ने बताया कि पहले पानी की काफी समस्या थी, अब घर के पास नल कनेक्शन होने से राहत मिली है। कलेक्टर ने इसी तरह शेष स्थानों पर भी स्थिति सुधारने विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने सीईओ जनपद पंचायत को भी निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। इस अवसर पर ईई पीएचई प्रदीप खलखो एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता प्रबंधन को देखा केरल और झारखंड के 18 सदस्यीय दल ने

कार्यशाला के माध्यम से निगम आयुक्त ने दी इन्हें महत्वपूर्ण जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर स्वच्छ यात्रा अंतर्गत 28 अप्रैल 23 को अध्ययन भ्रमण के तृतीय चरण में देश के दो राज्य केरल एवं झारखंड से 18 सदस्यीय दल अंबिकापुर पहुंचा। भ्रमण के प्रथम दिवस कार्यशाला में नगर पालिक निगम की आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाईं ने अंबिकापुर मॉडल के बारे में विस्तार से समझाया और शहर के नागरिकों के साथ ही जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों के संयुक्त प्रयास और प्रबंधन से संबंधित व्याख्यान दिए। कार्यशाला में अन्य राज्यों से आए प्रतिनिधियों को अंबिकापुर में चल रहे एसएलआरएम मॉडल की विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के द्वारा दी गई। स्वच्छता दीदियों द्वारा अपने कार्य अनुभव एवं कार्य प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। दल में आए केरल एवं झारखंड के समूह द्वारा भी उनके नगर में समूह के द्वारा किए जा रहे कार्य के अनुभवों का साझा किया गया। भ्रमण दल ने एसएलआरएम सेंटर एवं घुटरापारा गौठान का भ्रमण किया। यहां समूह के सदस्यों द्वारा पूरी तल्लीनता से किए जा रहे कार्यों को देखकर बरबस ही उनके मुख पर आ गया, यह है स्वच्छ अंबिकापुर। 18 सदस्यीय दल का भ्रमण दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रहेगा। इस दौरान निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राही अनजान व्यक्ति को ना दें बैंक खाते से संबंधित जानकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग के डीपीओ ने हितग्रहियों को किया अलर्ट, कुछ हो चुके ठगी का शिकार

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को नए-नए मोबाइल नंबर से फोन करके तत्काल छह हजार रुपये दिलाने की बात कहकर बैंक खाता अथवा यूपीआई पेमेंट एप की जानकारी मांगी जा रही है। कुछ हितग्राहियों द्वारा असामाजिक तत्वों के द्वारा मांगी गई जानकारी दे दी गई, इसके उपरांत उनके बैंक खाते से राशि निकाल ली गई है। हितग्राहियों के द्वारा यह शिकायत प्राप्त हुई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों एवं पर्यवेक्षकों से अपील की है कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को सतर्क करें। वे किसी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक संबंधित जानकारी ना देवें अन्यथा बैंक में जमा राशि को खो सकते हैं। ऐसे फोन कॉल आने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन पर शिकायत दर्ज कराने कहा गया है।

कलेक्टर ने बच्चियों द्वारा वेस्ट से तैयार सुंदर क्राफ्ट के टैलेंट को देखकर की सराहना

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में बच्चियों से मिले कलेक्टर, सुंदर गीत से किया स्वागत

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शुक्रवार को विकासखंड लखनपुर अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बच्चियों से मुलाकात की। कलेक्टर को अपने बीच पाकर बच्चियां बेहद खुश हुई और सुंदर गीत गाकर स्वागत किया। यहां कक्षा छठवीं से 12वीं तक की छात्राओं को आवासीय सुविधा दी गई है। छात्राओं के लिए फिलहाल वोकेशनल क्लॉस भी संचालित की जा रही है। कलेक्टर ने मौजूद छात्राओं से पढ़ाई एवं अन्य सुविधाओं पर सीधे संवाद किया। छात्राओं ने स्कूल आने-जाने में बस एवं किराए की समस्या साझा की, जिस पर कलेक्टर ने तुरंत आरटीओ अधिकारी से बात कर बस पास की सुविधा हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कंप्यूटर सीखने की रुचि देख इंटरनेट की सुविधा, साथ ही स्मार्ट क्लास हेतु डीएमसी को निर्देशित किया। यहां छात्राओं द्वारा वेस्ट मैटेरियल से बेहद सुंदर क्राफ्ट तैयार किए गए हैं जिसकी कलेक्टर ने प्रशंसा की। उन्होंने क्ले आर्ट और संगीत में छात्राओं का खासा हुनर देखा। उन्होंने यहां म्यूजिक टीचर के माध्यम से बच्चियों को संगीत सीखाने की बात कही। इस दौरान डीएमसी, सीईओ जनपद पंचायत एवं जिला तथा खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्राओं की रुचि देख म्यूजिक टीचर, स्मार्ट क्लॉस, लाइब्रेरी कम स्टडी रूम, कंप्यूटर सीखने हेतु इंटरनेट की सुविधा देने अधिकारियों को दिए निर्देश

मां महामाया मंदिर के प्रवेश द्वार का ड्राइंग, डिजाइन 20 दिन बाद भी प्रस्तुत नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वार निर्माण के संबंध में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज ने महापौर डॉ.अजय तिर्की को पत्र लिखकर अतिशीघ्र कार्य शुरू कराने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि आस्था के महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक केंद्र मां महामाया मंदिर का स्वागत द्वार, महामाया मंदिर मार्ग चौड़ीकरण के समय हटा दिया गया था, जिसके पुर्ननिर्माण के लिए नगरवासियों एवं नगर के जनप्रतिनिधियों द्वारा विगत पांच-छह माह से लगातार प्रयास किया जा रहा है। नागरिकों द्वारा भी समिति बनाकर महामाया द्वार निर्माण हेतु राशि एकत्रित की जा रही थी। पांच अप्रैल को आयोजित सामान्य सभा की बैठक में महामाया मंदिर स्वागत द्वार निर्माण के संबंध में सदन में विस्तार से चर्चा भी हुई है। सदन में महापौर डॉ.अजय तिर्की के द्वारा महामाया कारीडोर के निर्माण हेतु शासन से राशि स्वीकृति की जानकारी भी दी गई थी। वहीं अतिरिक्त विषय के रूप में महामाया कारीडोर के निर्माण के लिए समस्त पार्षदों एवं एल्डरमेन द्वारा भी एक-एक लाख रुपये पार्षद निधि से स्वीकृति की सहमति प्रदान की गई है। इसके अनुरूप भव्य महामाया प्रवेश द्वार एवं कारीडोर निर्माण का प्राक्कलन एवं नक्शा 10 दिनों के अंदर निर्माण कर सदन के प्रमुख सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। मां महामाया प्रवेश द्वार निर्माण समिति एवं नागरिकों द्वारा भी सामान्य सभा की बैठक के दिन सैकड़ों की संख्या में आकर इस संबंध में निगम का ध्यान आकृष्ट कराया था, परंतु 20 दिन गुजर जाने के बाद भी इसका ड्राइंग डिजाइन प्रस्तुत नहीं किया जा सका है। नेता प्रतिपक्ष ने महापौर को इसे गंभीरता से लेने और अतिशीघ्र आवश्यक कार्रवाई पूरा कराने की मांग की है।

उपभोक्ता आयोगों में जल्द होगी स्थाई सदस्यों की नियुक्ति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न जिला उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्षों, सदस्यों की नियुक्ति में हो रहे अनावश्यक विलंब को देखते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता डीके सोनी ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में जनहित याचिका लगाकर न्यायालय को बताया कि राज्य शासन जिला उपभोक्ता आयोगों में साक्षात्कार के बाद भी अध्यक्षों एवं सदस्यों की नियुक्ति नहीं कर रही है, जिससे नियुक्तियों में अनावश्यक विलंब हो रहा है। कई जिला आयोगों में कोरम पूरा नहीं होने से लंबे समय से सुनवाई प्रभावित है, इससे नुकसान केवल पीड़ित उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है। मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल की युगल पीठ ने राज्य शासन से नियुक्तिओं में हो रहे विलंब के संबंध में जवाब मांगा, जिस पर राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता ने अध्यक्षों की नियुक्ति आदेश जारी होने तथा सदस्यों के मामलों में सरगुजा में अस्थाई तौर पर बैकुंठपुर के सदस्य का संलग्नीकरण किए जाने की जानकारी दी गई, साथ ही उन्होंने न्यायायलय को आश्वासन दिया कि जल्द ही कानून के अनुसार स्थाई नियुक्ति कर दी जाएगी। महाधिवक्ता के आश्वासन के बाद न्यायलय के द्वारा जनहित याचिका का निराकरण कर दिया गया। याचिका कर्ता डीके सोनी ने कहा कि न्यायालय में जनहित याचिका के बाद एक उम्मीद बनी है कि सरगुजा सहित कई रिक्त जिला आयोगों में जल्द से जल्द स्थाई सदस्यों की नियुक्ति कर दी जाएगी, क्योंकि सरगुजा में दोनों स्थाई सदस्यों का पद लगभग दो साल से अधिक समय से रिक्त है।

एजेंसी देना है

सीतापुर, वाड्रफनगर, चिरिमिरी

में एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा धन राशि के साथ संपर्क करें।

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.

फोन नं. 9826142977, 9713108088

टीबी मुक्त हो सरगुजा, इसके लिए भावी पीढ़ियों ने भी ली शपथ

एकलव्य आदर्श विद्यालय सीतापुर व लुंड्रा में चलाया गया जागरूकता अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सीतापुर और लुंड्रा में टीबी जागरूकता अभियान चलाया गया, जिला क्षय अधिकारी डॉ.शैलेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन में अभियान के तहत यहां के बच्चों व शिक्षकों को टीबी फैलने के कारण, बचाव, जांच की सुविधा के बारे में बताते हुए इसे अधिक से अधिक लोगों के बीच प्रसारित करने कहा, जिससे जिले को टीबी मुक्त बनाने में हर किसी की सहभागिता सामने आए। पीरामल टीम के महेंद्र कुमार तिवारी द्वारा आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रम में दोनों स्कूलों के प्राचार्य मनोज वर्मा एवं एसके यादव ने आश्वस्त किया कि उनके द्वारा बताई गई जानकारी को वे बच्चों के बीच समय-समय पर प्रसारित करते रहेंगे, ताकि घर-घर तक टीबी बीमारी के लक्षणों से लोग अवगत हो सकें। ऐसे किसी लक्षण वाले मरीज से सामना होने पर उसे वे स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा से अवगत करा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि बताए गए लक्षण अगर किसी बच्चे में दिखाई देते हैं, तो स्टाफ नर्स के माध्यम से खंखार जांच सहित समुचित उपचार सुविधा सुलभ कराने की पहल की जाएगी, स्वजनों को बीमार बच्चे का भविष्य संवारने पहले रोग मुक्त कराने की सलाह दी जाएगी। सरस्वती विश्वकर्मा के द्वारा दोनों स्कूलों में प्राचार्य सहित शिक्षकों और सभी बच्चों को टीबी मुक्त देश बनाने में सहभागी बनने की शपथ दिलाई गई, जिसमें दोनों स्कूलों में लगभग 250 बच्चों की उपस्थिति रही। बच्चों ने पीपीटी के माध्यम से टीबी के लक्षण, जांच, उपचार को बहुत ही अच्छे तरीके से समझा और दूसरों को भी समझाने की बात कही।

शहीदों की विरासत से अच्छी बातों की खुशबू हमारे संविधान के पन्नों से भी आती है

सार्थक संवाद मिशन द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल में व्याख्यान का आयोजन

अंबिकापुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में शहीदों पर कार्यक्रम की तारतम्यता में शहीद भगत सिंह पर आधारित कार्यक्रम किया गया। संस्था के वरिष्ठ सदस्य एवं अधिवक्ता हरिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य उन महान व्यक्तियों व अन्य सामाजिक समस्याओं पर आमजनों, विद्यार्थियों से संवाद करना तथा उन्हें जागृत करना है, ताकि वे इस समाज को अच्छा व सुंदर बनाने के लिए आगे आएं। ये नागरिक देश व दुनिया में चल रहे मसलों पर चर्चा कर सकें। इसी उद्देश्य से शहीद भगत सिंह और उनके विचारों को हम आज के संदर्भों में देखेंगे कि वे कितने उपयोगी हैं। उन्होंने जो सोचा था, क्या वैसा ही भारत आज है या और सुधार चाहिए। इसके बाद विद्यालय के संगीत शिक्षक हरमिंदर सिंह ने शहीदों के प्रिय गीत 'मेरा रंग दे बसंती चोला' को गाकर माहौल को नम कर दिया। चरणप्रीत सिंह ने कहा कि भगत सिंह क्रांतिकारी कैसे बने इसे जानने के लिए उनके परिवार को जानना चाहिए, जिसमें दादा, पिता, चाचा और उनकी माता की भूमिका महत्वपूर्ण थी। उनका परिवार क्रांतिकारियों का ही परिवार था जो देश को आजाद कराना चाहते थे। उन्हीं से सारे गुण भगत सिंह को मिले थे। उन्होंने विश्व की क्रांतियों का इतिहास भी पढ़ा, यही कारण था कि अंतिम समय में उन्होंने माफी न मांगकर यह कहा कि मुझे फांसी न दी जाए बल्कि मेरे सीने पर गोलियां मारी जाएं। जितेंद्र सिंह सोढ़ी ने कहा कि हमें भगत सिंह को याद करना है तो गदर पार्टी, सोहन सिंह भकना, करतार सिंह सराभा को भी पढ़ना और जानना चाहिए। वे देश को आजाद कराना तो चाहते थे पर उन्होंने आजाद भारत की व्यवस्था पर भी काफी कुछ लिखा, जो आज सामने आ चुका हैं। वे चाहते थे कि आम आदमी शोषित और पीड़ित ना रहे, मेहनतकशों को उनकी मेहनत का पूरा हक मिले, यहां की व्यवस्था जब तक समाजवादी नहीं होगी तब तक ऐसा संभव नहीं है। फॉ.निर्दोश एक्का ने विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया और बताया कि शहीदों की विरासत से काफी कुछ अच्छी बातों की खुशबू हमारे संविधान के पन्नों से भी आती है, जो एक अच्छे राष्ट्र के लिए जरूरी हैं। वेद प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भगत सिंह ने कहा था कि गोरे अंग्रेज चले जाएंगे तो इनकी जगह पर भूरे लोग सत्ता पर बैठ जायेंगे। हमें सत्ता का हस्तांतरण ही नहीं बल्कि व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन भी चाहिए, इसीलिए इंकलाब लाना पड़ेगा, जो क्रांति होगी उससे सत्ता पर मेहनतकशों का राज होगा। इसमें सबसे बड़ा हाथ युवा, मजदूर और किसानों का होगा। कार्यक्रम का संचालन हरिशंकर त्रिपाठी ने किया। अंत में प्रितपाल सिंह ने विद्यालय के उप प्राचार्य सहित स्टॉफ के सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उपस्थित छात्रों से कहा कि वे भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की जीवनी और उनके लिखे हुए विचारों सहित उनके दस्तावेजों को जरूर पढ़ें, जिससे आज की राजनीति, सामाजिक व्यवस्थाएं इत्यादि का चेहरा सामने आ जाएगा और हम यह तुलना कर पाएंगे कि हमारा समाज और देश किधर जा रहा है। हमारे क्रांतिकारी और अन्य शहीद क्या सोचते थे, क्या ऐसा ही था उनके सपनों का भारत।

स्वामी आत्मानन्द स्कूल में प्राचार्य के पदभार को लेकर ऊहापोह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मुख्यमंत्री भुपेश बघेल की अति महत्त्वाकांक्षी स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता से अब राजनीतिक अखाड़ा बनकर रह गया है। प्राचार्य के अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने के बाद भी नवपदस्थ प्राचार्य को आज तक प्रभार नहीं मिल सका है। शिक्षा के मन्दिर को राजनीतिक अखाड़ा बनाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अव्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी व्याप्त है। विदित हो कि सूरजपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत जयनगर में संचालित स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल के प्राचार्य विरेन्द्र जायसवाल को भुनेश्वरपुर स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्राचार्य पद पर गतदिनों 20 अप्रैल को स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके पश्चात यहां पर कलिस्ता अक्खड़ को प्राचार्य पद पर पदस्थ किया गया है। स्थानांतरण की प्रक्रिया के बाद आज तक नवपदस्थ प्राचार्य श्रीमती अक्खड़ को प्रभार नहीं मिल सका है। बताया जा रहा है कि प्राचार्य श्री जायसवाल द्वारा भुनेश्वरपुर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल में जाकर पदभार भी ग्रहण कर लिए हैं। ज्ञात हो कि स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल जयनगर में प्राचार्य पद के प्रभार को लेकर राजनीतिक अखाड़ा बनने से मुख्यमंत्री के इच्छाओं पर पानी फिरता दिखाई पड़ रहा है। मजे की बात तो यह है विभागीय अधिकारी भी मामले में चुप्पी साध लिए हैं, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री द्वारा गरीब बच्चों के बेहतर अंग्रेजी माध्यम शिक्षा दिलाए जाने के उद्देश्य से स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का संचालन कराया जा रहा है लेकिन मैदानी स्तर पर विभागीय उच्चाधिकारियों की उदासीनता से मुख्यमंत्री की मंशा केवल कागजों में ही पूर्णरूप से सफल होती नजर आ रही है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल से उनके पक्ष को जानने मोबाईल से संपर्क करने का प्रयास किया गया, परन्तु वे मोबाईल रिसीव नहीं किए। जिस वजह से उनके पक्ष को नहीं लिया जा सका है।

नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नाबालिग लड़की को उसके परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने बताया कि कुमदा कालोनी निवासी आरोपी 19 वर्षीय देवा सारथी पिता सियंबर सारथी द्वारा मोबाईल के माध्यम से बिश्रामपुर की एक नाबालिग लड़की के साथ दोस्ती कर लिया था। इसके पश्चात सप्ताहभर पूर्व नाबालिग लड़की का अपहरण कर रायपुर चला गया था। सूचना पर पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़कर उसके कब्जे से अपहृत नाबालिग लड़की को बरामद कर परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

नशे के कारोबारी को घेराबंदी कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लंबे अरसे से नशीले इंजेक्शन का कारोबार करने वाले तस्कर को आज पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। नशीले इंजेक्शन का अवैध कारोबार तस्कर द्वारा लंबे समय कर पुलिस को चकमा दिया जा रहा था। सरगुजा रेंज के आईजी राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश पर अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि नगर के दशहरा मैदान के पास हॉस्पिटल कालोनी के झुग्गी बस्ती निवासी 25 वर्षीय रोहित मिश्रा उर्फ बाटूल पिता स्व.माधव अपने पास नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने सूचना के आधार पर घेराबंदी कर रोहित मिश्रा उर्फ बाटूल को पकड़ा और उसके कब्जे से 38 नग एविल इंजेक्शन व 46 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन जब्त किया। जब्त दवाईयों की अनुमानित कीमत करीब 42 हजार रुपए आंकी जा रही है। मामले में नशीली इंजेक्शन जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय पेश कर दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी केडी बनर्जी, एएसआई रंजीत सोनवानी, प्रवीण राठौर, प्रधान आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, रामनिवास तिवारी, सौरभ सिंह, आरक्षक मनोज शर्मा, उमेश राजवाड़े, जयप्रकाश यादव, खेलसाय, दीपक दुबे, ललन सिंह, योगेश कंवर सक्रिय रहे। बताया जा रहा है कि नशीली इंजेक्शन के साथ पकड़ाया आरोपी रोहित मिश्रा इसके पूर्व में भी कई बार नशीले पदार्थ के खरीद बिक्री के मामले में जेल की हवा खा चुका है।

कोल अफसरों के महारत्न पे- स्केल पर बनी सहमति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शुक्रवार को कोल इंडिया प्रबंधन और कोल माइंस ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अपेक्स बॉडी की बैठक हुई। बैठक में सीएमओएआई की प्रमुख मांग महारत्न कंपनी का पे- स्केल लागू करने पर सीआईएल प्रबंधन ने सहमति दी। इस पे-स्केल के लागू होने पर कोयला कामगारों के 11 वें वेतन समझौते के कारण निर्मित हो रही वेतन विवाद की स्थिति खत्म हो जाएगा।बताया जा रहा है कि सीआईएल प्रबंधन के समक्ष 50 चार्टर पाइंट प्रस्तुत किए गए थे। इसमें महारत्न कंपनी का पे-स्केल, कोलफील्ड्स अलाउंस, कॅरियर, सब आर्डिनेट इंजीनियर्स का प्रमोशन, सभी फोरम में सीएमओएआई की भागीदारी जैसे प्रमुख विषय थे, जिसमें लगभग सभी इश्यू पर सहमति दी गई है। महारत्न कंपनी का पे-स्केल, कोलफील्ड्स अलाउंस जैसे मांगों पर सीआईएल बोर्ड से सहमति लेकर स्वीकृति के लिए कोयला मंत्रालय भेजा जाएगा। यह प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाएगी। डीपीई गाइडलाइन का मुद्दा भी बैठक में उठाया गया। यदि अधिकारियों को महारत्न स्केल मिल जाता है तो वेतन विवाद की स्थिति खत्म हो जाएगी। कोयला कामगारों के वेतन समझौते को अंतिम रूप दे दिए जाने की भी बात कही गई और सीएमओएआई की सभी मांगों को भी पूरा किए जाने की बात भी कही गई।बताया जा रहा है कि निदेशक कार्मिक विनय रंजन के साथ भी पृथक से बैठक की जा चुकी है। बीते वित्तीय वर्ष में उत्पादन लक्ष्य पूरा करने पर सीएमओएआई के पदाधिकारियों ने चेयरमैन सहित अन्य अधिकारियों का अभिनंदन भी किया।बैठक में सीआईएल चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल सहित निदेशक (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध) विनय रंजन, निदेशक (तकनीकी) बी वीरा रेड्डी, निदेशक (व्यवसाय विकास) देबाशीष नंदा, निदेशक (विपणन) मुकेश चौधरी व अन्य अधिकारी सम्मिलित हुए। सीएमओएआई की ओर से अध्यक्ष डीएन सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, एवी रेड्डी, महासचिव सर्वेश सिंह, संयुक्त महासचिप डी साहो, अजीत कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष शरद तिवारी, संयुक्त कोषाध्यक्ष अजय कुमार राय शामिल हुए।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन करने अंतिम तिथि निर्धारित

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर (जिले के निवासी) जो शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि में अध्ययनरत है, ऐसे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी, जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2022-23 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही http://postmatric-scholarship.cg.nic.in वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है। जिले के विद्यार्थियों के आवेदन, पंजीयन एवं संस्थाओं के प्रस्ताव, स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 हेतु अंतिम तिथि निर्धारित की गई है, जिसके तहत विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन हेतु नवीनीकरण कराने के लिए 04 से 08 मई 2023, एवं ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 10 मई तथा सेंक्शन आर्डर लॉक करने हेतु 15 मई 2023 तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथियों के पश्चात् शिक्षा सत्र 2022-23 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकृत नहीं किये जायेंगे एवं ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक अथवा सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अजा. अजजा. व अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए ऑनलाईन छात्रवृति हेतु अंतिम अवसर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ एवं छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर अध्ययनरत् (जिले के निवासी) जो शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पालीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि में अध्ययनरत है जिनका संस्थाओं में प्रवेश विलम्ब से हुआ है तथा जिन पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित हुआ है।

ऐसे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों, जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, को सूचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2022-23 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही http://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है। छ.ग. राज्य एवं छ.ग. राज्य के बाहर अध्ययनरत् (जिले के निवासी) विद्यार्थियों के आवेदन, पंजीयन एवं संस्थाओं के प्रस्ताव, स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 में निम्नानुसार तिथि में वृद्धि की जा रही है। छ.ग. राज्य में अध्ययनरत् विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 27 अप्रैल 2023 से 03 मई 2023 तक, छ.ग. राज्य के बाहर अध्ययनरत् विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 04 मई 2023 से 08 मई 2023 तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 27 अप्रैल 2023 से 10 मई 2023 तक, सेंक्षन आर्डर लॉक करने हेतु 27 अप्रैल 2023 से 15 मई 2023 तक, राज्य से बाहर अध्ययनरत् विद्यार्थियों द्वारा समस्त दस्तावेजों (मूलप्रति एवं स्वप्रमाणित प्रति मान्य) जिला कार्यालय में जमा करने हेतु 11 मई 2023 तक का सयम है।

यह अंतिम अवसर विद्यार्थियों को प्रदाय किया जा रहा है। निर्धारित तिथियों के पश्चात् शिक्षा सत्र 2022-23 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकृत नहीं किये जायेंगे एवं Draft Proposal Lock अथवा Sanction Order Lock करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते है तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वत: जिम्मेदार होंगे।

नोट: वर्ष 2022-23 से छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित भुगतान की जा रही है। अत: सभी विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय आधार सीडेड बैंक खाता नम्बर की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें।

बारिश और ओले गिरने से फसलों को पहुंचा नुकसान, प्रभावित किसानों से मिले संसदीय सचिव

महासमुंद। छ.ग. फ्रंटलाइन। तेज अंधड़ के साथ हुई बारिश और ओला गिरने की वजह से फसलों को नुकसान होने की जानकारी मिलने पर संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने ग्राम भावा पहुंच कर किसानों से चर्चा की। बाद इसके संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने प्रभावित किसानों को राहत दिलाने राजस्व अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई। कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे। इससे फसलों को नुकसान पहुंचा है। पटेवा क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने ग्राम भावा पहुंचकर किसानों से मुलाकात की।

केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीर लेकर घर-घर पहुंच रहे गिरीश गुप्ता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा। विधानसभा चुनाव में अभी भले ही छ: महीने का समय शेष है लेकिन अभी से ही विधानसभा के दावेदार केंद्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर प्रत्येक बूथ व घर-घर पहुंच रहे हैं। बता दें कि पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष व भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरीश गुप्ता इन दिनों जनता के बीच काफी चर्चित है जिसका कारण भटगांव विधानसभा के हर पोलिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ केंद्र की योजनाओं को लेकर लोगो से लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं और जनता, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों को मोदी सरकार की तस्वीर भेंट कर रहे है। बरहाल यह माना जाए कि गिरीश गुप्ता इन दिनों न ही भाजपा कार्यकर्ताओं बल्कि जनता के भी चहेते होते जा रहे हैं। नवाचार के माध्यम से उन्होंने समूह की महिलाओं एवं स्वच्छता कर्मियों को साड़ी का देना हो, बाजार में जाकर जनता को झोला का वितरण, खिलाड़ियों को किट, पूरे विधानसभा में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की बड़ी-बड़ी फ्लेक्सी हुडिंग या फिर जगह-जगह दीवाल लेखन का कार्य कराकर केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इसको लेकर क्षेत्र में काफी लोकप्रिय बन चुके हैं आने-वाले चुनाव में एक सशक्त दावेदार के रूप में उभर सकते हैं।

इस संबंध में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री का एक तस्वीर हर घर पर लगे यह मेरा संकल्प है इसी के परिपेक्ष में लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ तस्वीर भेंट कर रहा हु। प्राथमिकता यह रहेगी कि आने-वाले 2023 में छत्तीसगढ़ और 2024 में केंद में भाजपा की सरकार बने इसके लिए एक कार्यकर्ता होने के नाते जो कुछ भी करूं कम ही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए गए सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास, घर -घर नल, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान सम्मान निधि, प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम, बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा सहित सैकड़ों योजनाओं का उल्लेख किया गया है। हर व्यक्ति को केंद्र की संचालित योजनाओं घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प गिरीश गुप्ता ने लिया है। मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच गिना रहे हैं। लगातार क्षेत्र में भ्रमण एवं जनसंपर्क करता हूं। लोगों के कई सारी समस्याओं का तत्काल निराकरण करने का प्रयास करता हूं। पहले जिला पंचायत उपाध्यक्ष होने के नाते पहले क्षेत्र में बहुत सारा कार्य किया हु। जिससे लोगों को काफी फायदा भी हुआ है और पूरे क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का सराहना होता है।

साहू समाज में अनुकरणीय पहल, तलाकशुदा लड़की की फिर से सामाजिक रीति रिवाज परंपरानुसार हुई शादी

गरियाबंद। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में साहू समाज की एक नई और अनुकरणीय पहल सामने आई है। साहू समाज अब विधवा व तलाकशुदा महिलाओं का पुनर्विवाह भी करायेगा। इसको लेकर समाज ने हर संभव प्रयास और मदद करने का निर्णय लिया है। पुनर्विवाह की इच्छा रखने वाली कोई भी महिला साहू समाज में अपनी बात रख सकते है। इन महिलाओं को साहू समाज की तरफ से हर संभव मदद दी जायेगी। जिससे इन महिलाओं को अपना जीवन संवारने का एक मौका भी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि कई विधवा और तलाकशुदा महिला अपना घर पुन: बसाना चाहती हैं, लेकिन समाज के डर से नहीं बसा रही हैं, ऐसी महिलाए समाज में आकर अपनी इच्छा रख सकती हैं। हालांकि यह पहल उन महिलाओं के लिए है, जो समाज में समाज के रीति रिवाज से शादी करना चाहती है।हाल में ही समाज ने नई पहल करते हुए तलाकशुदा युवती का पुन: घर बसा कर उसे जीवन को नई दिशा दी है। खास बात है की युवती का हाथ थामने वाला युवक कुंवारा है, उसकी पहले शादी नहीं हुई थी। अमूमन देखने को मिलता है कि तलाकशुदा व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति जिसकी पत्नी का देहांत हो गया हो वह तलाकशुदा या विधवा को अपनाता है। परंतु समाज के युवक ने तलाकशुदा युवती का हाथ थाम उसके साथ घर बसा कर अनुकरणीय पहल की है। इससे दोनो परिवार के लोगों में खुशी व्याप्त है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को तहसील साहू संघ गरियाबंद अंतर्गत ग्राम बरबाहरा निवासी तुलाराम साहू की सुपुत्री पुष्पा साहू का, साहू समाज मधुबन धाम परिक्षेत्र खिसोरा अंतर्गत ग्राम कमरद निवासी बुधराम साहू के सुपुत्र चि.छत्रपाल साहू के साथ संपन्न हुआ। पुष्पा साहू की पहले भी शादी हो चुकी थी, परंतु दाम्पत्य जीवन सुखमय नही होने के कारण तलाक हो गया था। वही छत्रपाल साहू अविवाहित था। एम.ए.सी. तक पढ़े लिखे छत्रपाल ने तलाकशुदा युवती से समाज के दोनों परिक्षेत्र पदाधिकारियों की उपस्थिति में विधिवत विवाह सम्पन्न कर पुन: घर बसाया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने नवविवाहित दंपत्ति को सुखमय दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर जिला साहू संघ के महासचिव नेहरू सहित समाज के अन्य लोगो ने बताया की यह साहू समाज की नई और अनुकरणीय पहल है। इससे समाज के कई घर फिर से आबाद होंगे। साथ ही तलाकशुदा के जीवन को नई आशा मिलेगी। उन्होंने बताया की साहू समाज विधवा, विधुर और तलाकशुदा युवक युवतियों के पुर्नविवाह के लिए प्रयास करेगा। हालांकि यह पहल उन महिलाओं के लिए है, जो समाज में ही समाज के रीति रिवाज से शादी करना चाहती है।

लेमरू में वितरण विभाग ने भेजा अनाप-शनाप बिल, ग्रामीणों में बढ़ी आक्रोश

कोरबा। छ.ग. फ्रंटलाइन। नियमित मीटर रीडिंग नहीं किए जाने और अनाप शनाप बिजली बिल भेजे जाने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। जिससे उपभोक्ताओं की टेंशन बढ़ रही है। कुछ इसी तरह का मामला सुदूर वनांचल क्षेत्र लेमरू में सामने आया है, जहां ग्रामीणों को भारी-भरकम बिल थमाया गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि एक साथ पिछले 5 साल का बिल उन्हें भेजा गया है। विद्युत वितरण विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायत दूर करने ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार शिविर लगाए जा रहे हैं। मगर मीटर रीडर की लापरवाही के कारण ग्रामीणों की समस्या दूर होने का नाम नहीं ले पा रहा है। नियमित मीटर रीडिंग नहीं होने के कारण ग्रामीणों एकमुश्त और अनाप शनाप बिजली बिल भेजा जा रहा है। जिसका भुगतान कर पाना ग्रामीणों के लिए संभव नहीं हो रहा है। ऐसे में कनेक्शन विच्छेद का खतरा मंडराने लगा है।

कुछ इसी तरह का मामला उप तहसील लेमरू अंतर्गत ग्राम लेमरू में सामने आया है। वितरण विभाग द्वारा तीन लोगों को भारी भरकम बिल थमाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग द्वारा प्रति माह बिजली का बिल नहीं भेजा जाता है। बिजली बिल प्रति माह आना चाहिए, जिसे ग्रामीण जमा कर सके। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक 15 से 20 हजार रुपए का बिल भेजे जाने से परिवार में संकट पैदा हो जाता है। ग्राम लेमरू निवासी संजय सिंह नान्ही बाबा और हरनारायण सिंह को लगभग 20 हजार तथा कंचन सिंह राठिया को 9 हजार का बिजली बिल थमाया गया है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पिछले कुछ दिनों से लेमरू में 5 साल का बिल एक साथ थमाया जा रहा है। जिसे चुकता कर पाना ग्रामीणों के लिए संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि वे हाजिरी मजदूरी और खेती किसानी कर अपना जीवन यापन करते हैं। विभाग द्वारा एक साथ भारी भरकम बिल दिए जाने से उनकी परेशानी बढ़ गई है। उनका कहना है कि गांव में नियमित तौर से मीटर की रीडिंग नहीं होती। न ही हर माह उन्हें बिजली बिल भेजा जाता है।

कलेक्टर ने आदिम जाति विकास विभाग, श्रम विभाग, समाज कल्याण एवं अंत्यव्यवसायी विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली

विभागीय योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिकता से लाभान्वित करें- कलेक्टर

■आप्रारंभ कार्य को प्रारंभ करने एवं अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए

छ.ग. फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आदिम जाति विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग, अंत्यव्यवसायी विभाग, उद्योग विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग में संचालित योजनाओं की बैठक लेकर संयुक्त समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को विभागीय योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिकता से लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर डॉ. मित्तल ने आदिम जाति विकास विभाग अंतर्गत समीक्षा बैठक में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का विधानसभा वार एवं वर्ष वार सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत अपूर्ण कार्यों की सूची उपलब्ध कराने कहा। अत्याचार निवारण अंतर्गत वर्ष 2022 -23 में भुगतान हेतु लंबित प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए एवं प्रकरण की जानकारी लेते हुए पीड़ितों को प्राथमिकता से राहत राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। विशेष शिक्षण केंद्र योजना 2005 के तहत बगीचा विकासखंड में कराए गए विशेष कोचिंग के शिक्षकों की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वस्थ तन स्वस्थ मन योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 में स्वास्थ्य परीक्षण कराए गए। आश्रम एवं छात्रावास की सूची उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना अंतर्गत स्वीकृत अपूर्ण कार्यों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विशेष केंद्रीय सहायता आदिवासी उपयोजना मद अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020 -21 के अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराकर एजेंसी से पूर्णता उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए। प्रयास आवासीय विद्यालय जशपुर भवन के निर्माण के पूर्व जारी निविदा निरस्त करते हुए पुनः निविदा जारी करने के तथा एफआरए सेल अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिया गया है। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विकलांगता जांच एवं जरूरतमंदों को सहायक उपकरण प्रदान करने के साथ ही विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न प्रकार के पेंशनों का आम जनों को भुगतान समय पर करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अंत्यव्यवसायी विभाग की योजनाओं की जानकारी लिया एवं योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विभाग की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सभी श्रमिकों का शत प्रतिशत पंजीयन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने व्यापक प्रचार -प्रसार के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक इन सभी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने व आम जनों को योजना का लाभ जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने उद्योग विभाग एवं रोजगार विभाग की समीक्षा करते हुए विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

हत्या की घटना घटित कर फरार रहने वाले आरोपी को 24 घण्टे के अंदर पुलिस ने किया गिरफ्तार, बड़ा भाई ही निकला हत्यारा

■आरोपी संदीप एक्का के विरूद्ध थाना पत्थलगांव में धारा 302 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज, उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में पत्थलगाँव पुलिस को मिली बड़ी सफलता

छ.ग. फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। पत्थलगांव थाना क्षेत्र में विगत 26 अप्रैल को मुड़ेकेला गांव में घर पर एक व्यक्ति की लाश मिली थी, वहां के निवासी लोधा एक्का के मकान में अल्फ़ोस को रात्रि सोते समय किसी के द्वारा धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। पुलिस को सूचना मिलने पर पत्थलगांव थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बारीकी से घटनास्थल का मुआयना किया। जहां पुलिस के समक्ष मौके पर घर में रखें सामान के चोरी होने का संदेह भी व्यक्त किया था या किसी प्रकार की साजिश की भी शंका जाहिर की गई थी। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पतासाजी करने के लिए पूछताछ भी की गई, पूछताछ में पता चला कि अलफोंस एक्का शराब पीने का आदी था। जो घटना वाले दिन चिकन एवं शराब की बात को लेकर अपने मां और बहन के साथ वाद विवाद किया था एवं झगड़ा करते हुए उन्हें घर से भगा दिया था। हमेशा अलफोंस एक्का के द्वारा लड़ाई झगड़ा किया जाता था, इसी बात को लेकर उसका बड़ा भाई संदीप एक्का काफी दिनों से अपने छोटे भाई की इस करतूत से परेशान था, झगड़े वाले दिन बड़ा भाई संदीप एक्का ने रात्रि में उसके सोते समय टांगी से वार करते हुए मौत की नींद सुला दिया था एवं वहां पुलिस से बचने के लिए चोरी का पुलिस को शक हो जिसके लिए उसके द्वारा पेटी एवं अन्य सामानों को बिखरा दिया गया था। लेकिन पुलिस के सामने उसकी चतुराई ज्यादा देर नहीं टिक सकी, पुलिस द्वारा संदीप एक्का से पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपना जुर्म कबूल कर लिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त टांगी एवं खून लगे कपड़े को जप्त किया है। पत्थलगांव थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने बताया कि छोटे भाई का हत्यारा बड़े भाई को हत्या के जुर्म में जेल भेज दिया गया है। आरोपी के पेश करने पर घटना में प्रयुक्त लोहे का खून लगा टांगी एवं घटना के समय पहने खून के छींटे लगे हुए कपड़े को जप्त किया गया है। आरोपी संदीप एक्का उम्र 30 साल निवासी मुड़ेकेला के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उसे दिनांक 27 अप्रैल 2023 को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया है। इस प्रकरण की समस्त कार्यवाही में निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी पत्थलगाँव, उपनिरीक्षक चन्द्रकुमार सिंगार, सहायक उपनिरीक्षक संतोष तिवारी, प्रधान आरक्षक परमजीत सिंह, प्रधान आरक्षक 149 रामनाथ राठिया, आरक्षक तुलसी राम रात्रे, आरक्षक भवानी लाल कहरा, आरक्षक पवन पैंकरा, आरक्षक आशिषन, आरक्षक अजय खेस्स, आरक्षक सुभाष नायक, आरक्षक भरत गुप्ता की सक्रिय भूमिका रही।

भगवान भरोसे है फरसाबहार का तहसील कार्यालय : आम जनता हो रही है परेशान, कार्यालय से साहब, बाबू सब गायब

विगत दो माह से चल रहा है अव्यवस्था का वातावरण, बिना काम हुए वापस लौट रहे ग्रामीण

छ.ग. फ्रंटलाइन

कुनकुरी। जशपुर जिले के फरसाबहार तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली भगवान भरोसे चल रही है। क्षेत्र के कांग्रेसी नेता पूरन वर्मा ने बताया कि तहसीलदार कमलेश मिरी के स्थानांतरण के बाद से विगत दो माह से फरसाबहार तहसील कार्यालय में कार्यालयीन समय पर कार्यालय से साहब, बाबू सब गायब रहते है। यंहा तक की तहसीलदार का रीडर भी नही रहता है। क्षेत्र की आम जनता सुबह से शाम तक कार्यालय परिसर में बैठ कर काम न होने से निराश होकर अपने घर चले जा रहे है। किसी भी बात का संतोषजनक जवाब तक नही मिल पा रहा है। सरकार आम जनता की सुविधा के लिए नित नए नियम ला रही है। कई अभियान भी चलाये जा रहे हैं कि लोगों को घर बैठे सुविधा उपलब्ध हो, किंतु फरसाबहार तहसील कार्यालय की स्थिति तो कुछ और ही दास्तां बयां कर रही है। इस कार्यालय के संबंध कई बातें जनचर्चा के किस्से बन रहे है। विदित हो कि फरसाबहार तहसील अंतर्गत 58 ग्राम पंचायत व 99 गांव है। तहसील मुख्यालय से कई गांव की दूरी 30 से 40 किलोमीटर की है। जिसमें ग्रामीण इतनी दूरी तय करके आता है और बिना काम हुए वापस लौट जाता है। जबकि इस तहसील के अंतर्गत 3 उप तहसील भी है जंहा कभी कोई काम हो ही नही रहा है। सबसे बड़ी विडंबना का विषय यह है कि इतनी बड़ी तहसील की जबाबदारी नए नायाब तहसीलदार को सौंप दी गई है, जिनके पास अनुभव और समय दोनों का अभाव है।

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा 697 किसानों को अपने काबिज भूमि का पट्टा मिला

वन अधिकार पट्टा पाकर किसानखेतों में उड़द, मूंगफली और अरहर की फसल भी ले रहे है

■पहाड़ी कोरवा किसान जयकिसुन ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

छ.ग. फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला प्रशासन द्वारा जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा 697 किसानों को 535.708 हेक्टेयर भूमि का वन अधिकार पट्टा दिया है। आज किसान अपने खेत में उड़द, मूंगफली, अरहर, धान, साग-सब्जी की भी अच्छी फसल ले रहे है। और अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे है। अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए आगे आ रहे है। जिसके परिणामस्वरूप विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा युवाओं को सरकारी नौकरी का लाभ मिल रहा है। जिले के बगीचा विकासखंड के ग्राम कुटमा निवासी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा जयकिसुन राम को जिला प्रशासन द्वारा वनअधिकार का पट्टा दिया गया है। किसान जयकिसुन को काबिज वन भूमि 0.112 हेक्टेयर का पट्टा मिला है। किसान जयकिसुन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि अपने काबिज वन भूमि पर मूंगफली और अरहर साग-सब्जी की फसल लगाते हैं और उन्हें अच्छा आमदनी हो रहा है। उन्होंने बताया कि खेती करने से उनके आर्थिक स्थिति में सुधार आई है छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वन अधिकार पट्टा देने के बाद अपनी भूमि पर काबिज अधिकार मिल गया। धान की खेती के साथ अन्य उत्पादन करके अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रहे है।

कलेक्टर ने पशुपालन,मछलीपालन, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग की ली समीक्षा बैठक

■हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ विधवा, भूमिहीन, दिव्यांग, पहाड़ी कोरवा एवं अति गरीब लोगों को प्राथमिकता के साथ योजनाओं का लाभ दिलाएं - कलेक्टर

छ.ग. फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पशुपालन, मछली पालन, उद्यानिकी विभाग तथा कृषि विभाग,रेशम विभाग, सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजना के क्रियान्वयन के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों को हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ विधवा, भूमिहीन, दिव्यांग, पहाड़ी कोरवा एवं अति गरीब हितग्राहियों को प्राथमिकता के साथ योजनाओं का लाभ दिलाएं। कलेक्टर डॉ. मित्तल ने कहा कि मल्टीएक्टीविटी के तहत पशुपालन, मछलीपालन, मुर्गीपालन, बकरी पालन, बतख पालन जैसी गतिविधियां को बढ़ावा दें। जिले में मछली घर निर्माण करने तथा मत्स्य पालन के लिए प्रशिक्षण देने कहा और गौठान में शिविर लगाने तिथि निर्धारित करने निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग से बीज भंडारण एवं वितरण की जानकारी ली और कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अनाज, दलहन, तिलहन, केसीसी की प्रगति की जानकारी ली एवं बेहतर कार्य के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र यादव, एवं विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा.प्र.क्र.
202304021200050 / अ-20(3) / 2022-23
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बंसु विश्वकर्मा आ0 भूटकुल, उम्र- 71 वर्ष, जाति- लोहार, निवासी- फुन्दूरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया की आवेदक/विक्रेता बंसु विश्वकर्मा आ0 भूटकुल, उम्र- 71 वर्ष, जाति- लोहार, निवासी- फुन्दूरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की शीट क्रमांक 13, मोहल्ला नमनाकला, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लॉट नम्बर 243/41 रकबा 1.730 हे0 भूमि स्थित है। आवेदक/विक्रेता बंसु विश्वकर्मा आ0 भूटकुल, उम्र- 71 वर्ष, जाति- लोहार, निवासी- फुन्दूरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा उक्त आवेदित नजूल प्लॉट नम्बर 243/41 रकबा 1.730 हे0 में से रकबा 0.240 हे0 (0.60 एकड़) अनावेदक/क्रेता- महेश कुमार अग्रवाल आ0 संतोष कुमरी केडिया, उम्र- 48 वर्ष, निवासी- वार्ड नंबर 11, मनेन्द्रगढ़ रोड़, मारूति शोरूम के पास, पटपरिया, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा, छ0ग0 को विक्रय किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र के समर्थन में उभय पक्ष का शपथ पत्र व मेंटनेन्स की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19.05.2023 तक इस न्यायाल में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 27.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा.प्र.क्र.
202304021200055 / अ-20(3) / 2022-23
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बंसु विश्वकर्मा आ0 भूटकुल, उम्र- 71 वर्ष, जाति- लोहार, निवासी- फुन्दूरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया की आवेदक/विक्रेता बंसु विश्वकर्मा आ0 भूटकुल, उम्र- 71 वर्ष, जाति- लोहार, निवासी- फुन्दूरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की शीट क्रमांक 13, मोहल्ला नमनाकला, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लॉट नम्बर 243/41 रकबा 1.730 हे0 भूमि स्थित है। आवेदक/विक्रेता बंसु विश्वकर्मा आ0 भूटकुल, उम्र- 71 वर्ष, जाति- लोहार, निवासी- फुन्दूरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा उक्त आवेदित नजूल प्लॉट नम्बर 243/41 रकबा 1.730 हे0 में से रकबा 0.230 हे0 (0.57 एकड़) अनावेदक/क्रेता- अधिक कुमार गुप्ता आ0 जय कुमार गुप्ता, उम्र- 34 वर्ष, निवासी- देवीगंज रोड़, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा, छ0ग0 को विक्रय किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र के समर्थन में उभय पक्ष का शपथ पत्र व मेंटनेन्स की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19.05.2023 तक इस न्यायाल में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 27.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)
रा.प्र.क्र. / ब-121 / 2022-23
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमरलाल बच्चानी आ0 बृजलाल बच्चानी, निवासी महाराजा गली सिंधी कॉलोनी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 236/4 रकबा 0.080 हे0 भमि में से रकबा 0.004 हे0 भूमि को अनावेदक सोनित कुमार आ0 जगदीश प्रसाद निवासी शिवधारी कॉलोनी प्रतापपुर नाका अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के पास अंकन राशि रूपयें 1,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 24.05.2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 25.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार,
अम्बिकापुर, सरगुजा

जनहानि के 1 मामले में प्रभावित परिजन हेतु 4 लाख की राशि हुई स्वीकृत

छ.ग. फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के 1 मामले में प्रभावित परिजन हेतु आरबीसी 6-4 के तहत 4 लाख की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई हैं। जिसके अंतर्गत बगीचा विकासखण्ड के ग्राम कोदोपारा (तुर्रीकोना) निवासी स्व. मनी राम का तालाब के पानी में डूबने से दिनांक 20 सितम्बर 2021 को मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम वारिस मृतक के पुत्र जयमंगल बलराम, हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक अनुदान राशि स्वीकृत की गई हैं।

कलेक्टर ने दुलदुला, कुनकुरी ब्लॉक के सरपंच गणों की बैठक लेकर बड़ी सरलता, सहजता एवं आत्मीयता से चर्चा की

■सरपंच गांव का सबसे बड़ा जनप्रतिनिधि है, आंगनबाडी केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र एवं छात्रावास जाकर वास्तविकता को जाने और करें सहयोग- कलेक्टर

छ.ग. फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल एवं जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र यादव ने दुलदुला, कुनकुरी जनपद पंचायत के सभाकक्ष में दुलदुला एवं कुनकुरी ब्लॉक के सरपंच गणों की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. मित्तल ने बड़ी सरलता एवं सहजता, एवं आत्मीयता से सरपंच गणों से चर्चा कर समस्याओं को सुना और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सरपंच गांव का सबसे बड़ा जनप्रतिनिधि होता है,. शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन करने में सहयोग करें। आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र एवं छात्रावास जाकर वास्तविकता को जाने और सहयोग करे, गांव एवं पंचायत में विकास होगा। कलेक्टर ने सरपंच गणों को आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र एवं छात्रावास में जाने आग्रह किया वहां जाकर वास्तविकता को जानकर समस्याओं का निराकरण करने कहा। क्योंकि सभी के सहयोग से समस्याओं एवं कमियों का निराकरण किया जा सकता है। आंगनबाड़ी केंद्र समय में खुलता है की नही, आंगनबाडी कार्यकर्ता समय पर आते हैं कि नहीं, मीनू आधार भोजन व्यवस्था, स्कूलों में पढ़ाई व्यवस्था, स्वास्थ केंद्र में चिकित्सा व्यवस्था, छात्रावास आश्रम की व्यवस्थाओं को जाकर सहयोग कर निराकरण करें। उन्होंने 15 वें वित्त का प्रयोग बेहतर करने सरपंच गणों को समझाइश दी। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र जाकर कुपोषित बच्चों का की पहचान करें, और सुपोषित करने के लिए सभी मिलकर सहयोग करें। कलेक्टर ने सभी सरपंचों को प्रतिदिन के कार्य के लिए समय सारणी बनाने कहा जिससे पंचायत में बेहतर चिकित्सा होगा। उन्होंने प्रोत्साहित करने हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने कहा। कलेक्टर ने नारवा विकास अच्छी योजना है, चेक डैम आदि का समय समय पर साफ-सफाई सभी के सहयोग से करें। जल स्तर बढ़ेगा और सभी को लाभ मिलेगा। जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र यादव ने कहा कि पंचायत विकास कर रहा है, बहुत सारे अच्छे कार्य आपके सहभागिता से हो जाता है जिसमें पैसा नहीं लगता है। सभी मिलकर कार्य करें विकास गति बनी रहेगी। उन्होंने गांव में जो पेंशन के पात्र है उनकी जानकारी दें और उनका सहयोग करें। रेंगाखर सरपंच कुलदीप मिंज, चटकपुर सरपंच श्रीमती शकुंतला बाई, बेमतातोली सरपंच श्रीमती राज कुमारी लकड़ा, नारायणपुर सरपंच श्रीमती मुक्ति लता प्रधान ने आंगनबाडी केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र एवं छात्रावास जाकर वास्तविकता को जाना एवं उक्त संस्थान में कमियों, समस्याओं का निराकरण के लिए सहयोग किया जा रहा है। कलेक्टर ने प्रशंसा कर बधाई दी एवं निरंतर सहयोग करने प्रोत्साहित किया।

चिंतन

छत्तीसगढ़ रक्तरंजित करने वालों को कुचलना जरूरी

नक्सली एक बार फिर चुनावी वर्ष में छत्तीसगढ़ रक्तरंजित करने में कामयाब हो रहे हैं। बुधवार को नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों के वाहन को निशाना बनाकर धमाका किया, जिसमें 11 जवान शहीद हो गए। इसी वर्ष फरवरी माह में नक्सलियों ने सिलसिलेवार तरीके से तीन भाजपा नेताओं की हत्या कर दी थी। पांच फरवरी को बीजापुर बीजेपी मंडल अध्यक्ष नीलकंठ कक्केम, 10 फरवरी को नारायणपुर बीजेपी उपाध्यक्ष सागर साहू और 11 फरवरी को इंद्रावती नदी के पार दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सरहद पर बीजेपी नेता रामधर अलामी की हत्या की गई। यह पहली बार नहीं है, जब नक्सलियों ने राजनीतिक दल के नेताओं पर हमले किए हो। 25 मई 2013 को चुनाव के कुछ माह पहले कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर झीरम घाटी में हुए हमले में कांग्रेस की पूरी पीढ़ी ही लगभग खत्म हो गई थी। नंदकुमार पटेल, उदय मुदलियार, विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा सहित 31 लोग इस हमले में मारे गए थे। हालांकि बीते सात सालों के दौरान नक्सली हमलों में खासी कमी आई है। सरकार ने 2023 तक देश को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन जिस तरह से नक्सली रह-रहकर हमलों को अंजाम दे रहे हैं। उससे तो नहीं लगता कि सरकार अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाएगी। यह सही है कि सरकार नक्सलियों पर लगाम कसने में कुछ हद तक कामयाब रही है। जो नक्सलवाद देश के 11 राज्यों छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के 90 जिलों के 'रेड कॉरिडोर' फैला हुआ है। अब वो सिमटकर महज 12 से 13 जिलों तक रह गया है, लेकिन नक्सली जिस तरह से हमलों को अंजाम दे रहे हैं। उससे तो यही लगता है कि वे एक बार फिर अपनी ताकत का अहसास करवाना चहाते हैं। ऐसे समय में हमले का एक कारण यह भी है कि मार्च से लेकर मई तक गर्मियों के मौसम में जंगल में दृश्यता बढ़ जाती है और नक्सली टीसीओसी चलाकर बड़े हमले करते हैं। कारण चाहे जो भी हो। ये हमले दंतेवाड़ा जैसी घटनाएं नक्सलियों के पूर्णतः खात्मे पर प्रश्न जरूर खड़ा करती है। ऐसा इसलिए होता है कि हम भारतवासी हमलों को भी सहजता से लेते हैं। उसके पीछे का अच्छा-बुरा सोचते रहते हैं। दुनिया में एक ओर रूस और चीन जैसे देश हैं, जो अपनी-अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा बलों के लिए किसी भी सीमा तक जाने तथा कोई भी निर्णय लेने से नहीं हिचकते और हम हैं कि शांति व अहिंसाकारी समझौता करने के लिये शांतिदूत-अहिंसक बनने का संकल्प करते रहते हैं। इसी लिप्सा ने भारत की राष्ट्रीयता, अस्मिता, संप्रभुता और शक्ति प्रदर्शन की भावना को कमजोर किया है। संभवतः यही सबसे बड़ा कारण भी है, जिसने सीमा के अंदर और बाहर से चलाए जाने वाले आतंक को स्थायी रूप में नहीं कुचल पाए। अनेक बार ऐसे मौके आए जब हमारे सुरक्षा बल अपनी जान गंवाने और बुरी तरह घायल होकर दिव्यांग बनने को विवश हुए। देश का धन, संसाधन और संपत्तियां-परिसंपत्तियां बर्बाद हुई, लेकिन हम कोई बड़ा फैसला नहीं कर पाए। केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद सीमा पार को लेकर इस परिपाटी में बदलाव तो हुआ, लेकिन घरेलू सुरक्षा पर अभी भी कहुत सारे कड़े फैसले लेने की जरूरत है। जो सुरक्षा बल देशवासियों को सुरक्षित रखने में जुटे हैं, उनको सुरक्षित रखने के अधिक से अधिक उपाए किये जाने की अति आवश्यकता है। सुरक्षा बलों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। ऐसा होगा तो ही राष्ट्रबोध एक-एक भारतीय नागरिक के मन-मस्तिष्क में सुस्थापित हो पाएगा और हम न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी दुश्मनों का फन कुचलने में भी कामयाब हो पाएंगे।

स्मृति शेष

आर.के. सिन्हा

क्यों चुभते थे तारिक फतेह

पाकिस्तान के मशहूर लेखक तारिक फतेह का हाल ही में निधन हो गया। उनके चाहने वाले एक बेखौफ लेखक के रूप में याद रखेंगे। वे सच का साथ देते रहे। वे भारत के परम मित्र थे। उन्हें इस बात का गर्व रहा कि उनके पूर्वज हिंदू राजपूत थे। वे बार-बार कहते-लिखते थे कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के तमाम मुसलमानों के पुरखे हिंदू ही थे और उन्हें जबरदस्ती मुसलमान बनाया गया था। उनकी इस तरह की साफगोई कठमुल्लों को नागवार गुजरती थी। तारिक फतेह हिंदी पट्टी के मुसलमानों के दिल में चुभते हैं। उनकी तारीफ यह थी कि वह डंके की चोट पर अपने पूर्वजों को हिंदू बताते रहे।

तारिक फतेह को उनके चाहने वाले एक बेखौफ लेखक के रूप में याद रखेंगे। वे सच का साथ देते रहे। वे भारत के परम मित्र थे। उन्हें इस बात का गर्व रहा कि उनके पूर्वज हिंदू राजपूत थे। वे बार-बार कहते-लिखते थे कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के तमाम मुसलमानों के पुरखे हिंदू ही थे और उन्हें जबरदस्ती मुसलमान बनाया गया था। उनकी इस तरह की साफगोई कट्टरपंथियों को नागवार गुजरती थी। तारिक फतेह हिंदी पट्टी के मुसलमानों के दिल में चुभते हैं। उनकी तारीफ यह थी कि वह डंके की चोट पर अपने पूर्वजों को हिंदू बताते रहे। बहुत कम मुसलमान यह हिम्मत दिखा पाते हैं। वह मुस्लिम सांप्रदायिकता पर लगातार चोट करते रहे।

तारिक फतेह पहली बार 2013 में भारत दौरे पर आए थे तब उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाकिस्तान को तो अब भूल जाइए। इसको एक न एक दिन कई टुकड़ों में टूटना ही है। वो दिन भी दूर नहीं जब बलूचिस्तान और सिंध उससे अलग हो जाएगा। पाकिस्तानी सेना एक औद्योगिक माफिया है, जिसका अपने देश के अनाज, ट्रकों, मिसाइलों से लेकर बैंकों तक पर नियंत्रण हैं।' यह सुनकर पाकिस्तान के हुक्मरान तिलमिला गए थे। वे मानते थे कि, 'भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां मुसलमान बिना डरे स्वतंत्रतापूर्वक काम करते हैं।' तारिक फतेह से जितने लोग मुहब्बत करने वाले हैं उससे बहुत ही कम नफरत करने वाले हैं। वे कभी इस्लाम की आलोचना नहीं करते थे, बल्कि इस्लाम के नाम पर झूठे गौरव और पाखंड की बखिया उधेड़ देते थे। अच्छा से अच्छा मौलवी उनके छोटे से चुभते हुए तर्क से तिलमिला कर रह जाता था। एक बार एक मौलवी साहब औरंगज़ेब की बहुत तारीफ़ें कर रहे थे और उसे सच्चा और अनुकरणीय मुसलमान साबित कर रहे थे। तारिक फ़तेह ने उससे सिर्फ़ एक सवाल किया कि अगर औरंगज़ेब एक सच्चा मुसलमान था तो क्या उसने हज की थी? मौलवी साहब बग़लें झांकते नज़र आने लगे और उनकी सारी पिछली तारीफों पर फतेह साहब के एक सवाल ने पानी फेर दिया। किसी मुसलमान पर हज उतना ही बड़ा फर्ज़ है जितने कि नमाज़, रोज़ा और ज़कात। इनमें से कोई एक दूसरे की भरपाई नहीं कर सकता। चारों ही अलग अलग फर्ज हैं। कोई भी मुस्लिम जब बालिग़ हो जाए और हज करने के लायक़ स्वास्थ्य और आमदनी हो तो हज तुरन्त फर्ज हो जाती है। अल्लाह ने औरंगज़ेब को 96 साल की लम्बी उम्र दी, बचपन से बुढ़ापे तक तंदुरुस्त रखा। पहले शाहज़ादा फिर बादशाह बनाया। हज में दुनियावी मसायल की वजह से कोई माफ़ी नहीं है। अगर सामर्थ्यवान होते हुए भी 96 साल की उम्र तक औरंगज़ेब हज नहीं करता तो या तो उसका हज के फर्ज होने पर ईमान नहीं है या उसे ईश्वर पर भरोसा नहीं है कि वह हज करने गया तो वापस उसकी गद्दी उसे मिलेगी या नहीं। उसका पंजवक्ता नमाज़ी होना और टोपियां सिल कर रोज़ी कमाना सब बेकार गया। हज को महत्व न देना और उसको टालना दोनों ही "गुनाहे कबीरा" यानी घोर पाप हैं। देश में

सीएए-एनआरसी के मुद्दे पर हुए दंगों के बाद तारिक फतेह ने कहा था, 'हर वह व्यक्ति हिंदू है, जो हिंदुस्तान के इतिहास और परंपरा की मिल्कियत रखता है।'

मुस्लिम समुदाय में तारिक फतेह जैसा बोल्ड और जीनियस लेखक या विचारक मिलना मुश्किल है। इस्लाम की कट्टरता के विरुद्ध बिगुल फूंकने वाला, पाकिस्तान के आतंकवाद-प्रेम पर मुखर होकर निरंतर प्रहार करने वाला कोई दूसरा मुस्लिम लेखक या विचारक मिलना मुश्किल है। इस्लाम सहित तमाम मुद्दों पर मुखर रूप से बोलने वाले तारिक फतेह टीवी डिबेट में अक्सर खुद को हिंदुस्तानी बताते थे और हमेशा सिंध और हिंद का कनेक्शन जोड़ते थे। तारिक फतेह पाकिस्तान के विचार को खारिज करते थे। वे मानते थे कि देश का बंटवारा नहीं होना चाहिए था। दुर्भाग्य यह है कि उनकी मौत का कुछ कथित प्रगतिशील और कट्टरपंथी जश्न मना रहे हैं। अगर आपको यकीन न हो तो सोशल मीडिया पर चले जाइये। वहां पर आपको तारिक फतेह को लेकर तमाम तरह की ओछी टिप्पणियां पढ़ने को मिलेंगी। तारिक फतेह धार्मिक अतिवाद के खिलाफ बोलने और एक उदारवादी इस्लाम के पक्ष को बढ़ावा देने के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने 'यहूदी मेरे दुश्मन नहीं हैं' नाम से एक पुस्तक भी लिखी। पाकिस्तान में बलूचों के आंदोलनों के समर्थक भी रहे। बलूचिस्तान में मानवाधिकारों के हनन और पाकिस्तान द्वारा बलूचों पर की जा रही ज़्यादतियों के विषय पर भी बोलते और लिखते रहे। तारिक फतेह मुस्लिम इतिहास के भी प्रकांड विद्वान थे, जिस कारण तर्कों और तथ्यों में उन्हें पराजित करना किसी के लिए नामुमकिन था। तारिक फतेह कोरोना काल से पहले मेरे राजधानी के हुमायूं रोड के सरकारी आवास में भी कई बार पधारे। उनसे कई अहम मसलों पर चर्चा हुई। वे बहुत बुद्धिमान व्यक्ति थे। वे पाकिस्तान के शहर कराची में जन्मे थे और 1987 से कनाडा में रहने लगे। "तारिक फतेह आप" वाकई पंजाब के शेर और हिंदुस्तान के बेटे थे, जैसा कि आपकी बिटिया नताशा ने कहा है। तारिक फतेह ने एक बार मुझसे जानना चाहा कि क्या सच है कि भारत के संविधान की मूल प्रति पर "हड़प्पा और मोहन जोदड़ो" के चित्र हैं। मैंने कहा कि मेरे पास संविधान की मूल प्रति है आपको नन्द लाल बसु की "हड़प्पा और मोहन जोदड़ो" की पेंटिंग दिखाता हूं। मैंने जब उन्हें संविधान की मूल प्रति पर "हड़प्पा और मोहन जोदड़ो" की पेंटिंग दिखाई तो वे भावुक हो उठे और उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। तारिक फतेह किसी टीवी के कार्यक्रम में सिंध का इतिहास, पंजाब का इतिहास, पाकिस्तान के वजूद और यूपी के मुसलमानों की बात अवश्य करते थे। वे बार-बार कहते थे कि पाकिस्तान के पंजाबियों पर उर्दू भारत से पाकिस्तान गए मुसलमानों ने थोपी। इस वजह से उनसे भारत और पाकिस्तान का एक तबका खफा रहता था। यह सच है कि पंजाबियों पर उर्दू थोपी गई। चूंकि वे एक बेखौफ साहसी लेखक थे और खुलकर अपनी राय का इजहार करते थे, इसलिए उनकी जान के दुश्मन भी कम नहीं थे। उन्हें जान से मारने की धमकियां मिलती रहती थीं। उन्हें 'सर तन से जुदा' जैसी धमकियां भी लगातार ही मिल रही थीं। कुछ समय पहले तारिक फतेह ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक 'ट्विटर स्पेस' का स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए लिखा था कि एक सज्जन ने ग्रुप बनाया है जो मेरा सिर कलम (सर तन से जुदा) करने की योजना बना रहा है। तारिक फतेह के न रहने से आज दुनिया ने एक सच्चा लेखक खो दिया है। उनकी जब याद आएगी तो फैज अहमद फैज का यह शेर 'कर रहा था ग़म-ए-जहाँ का हिसाब आज तुम याद बे-हिसाब आए' याद कर ही उनके प्रशंसकों का सहारा बनेगा।

(लेखक राज्यसभा सांसद रह चुके हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दर्शन दिवस

इन्दिरा मिश्र

श्री मां का सदा के लिये भारत आगमन

पांडिचेरी में श्री अरविन्द आश्रम की स्थापना सन 1926 में हुई थी। आज यह एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल है। इसकी लगातार बनी हुई लोकप्रियता का क्या रहस्य है? वस्तुतः इसमें रहस्य कुछ भी नहीं है। एक तर्कशील व्यक्ति अपने संस्कारों के अनुरूप किसी भी पूजा-पाठ की विधि या कर्मकांड में त्रुटियां निकाल लेता है। यहां तक कि मूर्ति पूजा से जुड़े कर्मकांड को पूरी तरह नकारने वाले आर्य समाज के लोग भी अपनी ही यज्ञ, संध्या भजन करने की मान्यता का पूरा पालन नहीं कर पाते, जिससे कि उनकी अगली पीढ़ी को आर्य समाज की पूरी जानकारी तक नहीं हो पाती। अर्थात आदमी अपने परिवार को अपनी अपरिपक्व आयु में देखकर अनुभव करते हुए जिस परिपाटी में ढल जाता है, वही उसे सर्वोपरि लगती है परंतु अपनी बारी आने पर वह उस परिपाटी की भी अवहेलना करता चलता है जिसके कई कारण हो सकते हैं।

अतः श्री अरविन्द आश्रम में गुरु को नमस्कार, चरणवंदना, पूजा आराधना की कोई निश्चित परिपाटी नहीं रखी गई है। आप श्री मां व श्री अरविन्द की समाधि पर हाथ जोड़ें या आंख मूंदकर बैठें अथवा फूल या अगरबत्ती चढ़ायें

इनमें से कोई भी जरूरी नहीं है, तो चेहरे पर सौम्य भाव, जागरूक चेतना और मौन। श्री अरविन्द ने जीवन को संपूर्ण योग माना है, जिसमें साधना हर काम में तल्लीनता रखते हुए प्रवीणता, प्रेम और शांति से उसे करना पर्याप्त है। श्री मां का जीवन स्वयं इसका जीता जागता उदाहरण रहा है। लोग उन्हें माहेश्वरी, लक्ष्मी, सरस्वती के रूप में पूजते हैं, परन्तु वे स्वयं कार्य ही पूजा है। इस सिद्धांत को लेकर हर छोटा बड़ा काम करती रही है। श्री मां का जन्म पेरिस में हुआ था। उनके पिता तुर्क थे, जबकि माता मिस्त्र के राज-परिवार से ताल्लुक रखती थीं। श्री मां ने पेरिस में चित्रकला की शिक्षा ली, संगीत का अभ्यास किया। उन्होंने मात्र 15 वर्ष की आयु में गीता का फ्रेंच अनुवाद पूढ़ा था। वे श्रीकृष्ण के ऊपर श्रद्धा रखती थीं, आध्यात्म में थोड़ा और पैठने के लिए वे कुछ समय मध्य एशिया में 'तेओ' दंपत्ति के पास भी रुकीं। वे स्वयं यह अनुभव करती थीं कि उन्हें बहुत से लोगों के सुख के लिए कई काम करने हैं। उधर श्री अरविन्द ने भारत की ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता के लिये अपने प्राणों की लगाकर लेख लिखे, सभाएं की। उन दिनों यहां युवाओं का मनोबल बहुत कमजोर था और अंग्रेजों की शक्ति प्रचंड थी। अंग्रेज सरकार ने एक अलीपुर बूम कांड में श्री अरविन्द को एक वर्ष के लिए कलकत्ते की अलीपुर जेल में निरूद्ध किया। जेल में उन्हें जो अनुभव हुए उनसे उन्हें अंतःप्रेरणा यह हुई कि उन्हें अपना लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता में बढ़ाकर रखता है। चूंकि युवाओं में वे जिस उत्साह व चेतना का संचार कर चुके थे वह पर्याप्त थी और उन्हें ऐसा था कि भारत स्वतंत्र होक रहेगा।

अतः 1910 में श्री अरविन्द पांडिचेरी चले गये। श्री मां ने उनके बारे में जो कुछ सुना था, उसके फलस्वरूप वे उनसे 1514 में अपने पांडिचेरी आगमन पर मिलीं। उन्हें श्री अरविंद पर अंगाध श्रद्धा हुई। परंतु इसके बाद उन्हें पेरिस लौटना पड़ा चूंकि प्रथम विश्व युद्ध छिड़ गया था। उसकी समाप्ति पर 24 अप्रैल 1920 को वे सदा के लिए भारत आ गईं। इसके साथ ही उन्होंने श्री अरविन्द के साहित्य का पारायण किया। उन्होंने पाया कि श्री अरविन्द में प्रकांड पांडित्य और अत्याधिक आध्यात्मिक चेतना है जिसे उनके लेखन में देखा बूझा जा सकता है, परंतु उनके लेखन को भली-भांति सबके सामने लाना परम आवश्यक है। साथ ही श्री अरविन्द और उनके सहयोगी शिष्यगण के जीवन, भोजन आदि में नियम व व्यवस्था लाना भी जरूरी है। इसलिये 1926 में श्री अरविन्द आश्रम की स्थापना की गई।

श्री मां श्री अरविन्द के विचारों के प्रचार-प्रसार कार्य में अनवरत रूप से लगी रहीं जिससे उनके युवाओं को जीवन जीने की नई राह मिली। श्री मां ने कभी यही नहीं सोचा कि श्री अरविन्द के विचारों को सामने लाने पर उन्हें स्वयं क्या मिलेगा। 1950 में श्री अरविन्द ने देह त्याग किया। तत्पश्चात सन् 1960 में श्री मां ने श्री अरविन्द सोसाइटी का गठन किया, ताकि पूरे विश्व के समक्ष उनके विचार लाये जा सकें। आज इस सोसाइटी की 75 शाखायें तथा लगभग 300 केन्द्र चल रहे हैं और जीवनयापन में अनेक नाजुक विषयों पर इन दोनों गुरुओं के सुलझे विचार लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। जो विषय अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं वे है भय, प्रार्थना का महत्व , सदा युवा कैसे रहे? हिन्दू धर्म क्या है? धर्म और आध्यत्मिकता का क्या संबंध है?, सनातन धर्म के मूल तत्व क्या है।

चिंताओं से मुक्त होकर जीवन का लें आनंद

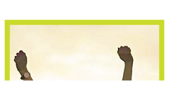

संकलित

दर्शन

क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आपने किसी चीज के लिए पूरे मन से मेहनत की हो, आपको लगा हो कि ऐसा होगा या वैसा होगा और फिर नतीजा आपकी सोच से बिलकुल अलग निकला हो? ऐसे में हम निराश हो जाते हैं। लगने लगता है कि जीवन कठिन है। कभी-कभी तो हम यहां तक सोचने लगते हैं कि मेहनत करने का क्या मतलब है? मेहनत करने के बाद भी हमें वह परिणाम नहीं मिलता है जो चाहिए। हम सबके मन में कभी न कभी ऐसे विचार आते हैं। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, हम जो कार्य करते हैं उसके परिणाम के पीछे बहुत सारी चीजें जुड़ी हुई हैं जो हमारे हाथ में नहीं हैं। जो चीज हमारे हाथ में ही नहीं है, उसके बारे में हम कैसे आशा कर लें कि जो हमें चाहिए वही होगा। मन में इस बात की गांठ बांध लेना कि जो परिणाम आप चाहते हैं उसी से आपको खुशी मिलेगी, अक्सर दुख और हताशा का कारण बन जाता है। मैं आपको उदाहरण देती हूं। 6 साल के एक बच्चे को एक दिन उसकी मां ने कहा कि जब वह शाम को स्कूल से आएगा तब उसे गुलाब जामुन देगी। अब बच्चा पूरा दिन खुश था। स्कूल में उसने कोई शैतीनी नहीं की, टीचर की हर बात मानी और पूरे दिन मन लगा कर पढ़ाई की। स्कूल छूटते ही भाग कर घर आया तो उसने देखा कि मां तो लड्डू लिए खड़ी है। अब बच्चा निराश हो गया। उसका मन तो गुलाब जामुन पर अटका हुआ था। वह रोया, रूठा और ऐसे ही सो गया। न उसे लड्डू मिला और न गुलाब जामुन।

बुरे विचारों से बचने के उपाय

संकलित

प्रेरणा

एक धनवान व्यक्ति था, बड़ा विलासी था। हर समय उसके मन में भोग विलास सुरा-सुंदरी के विचार ही छाए रहते थे। वह खुद भी इन विचारों से त्रस्त था, पर आदत से लाचार, वे विचार उसे छोड़ ही नहीं रहे थे। एक दिन अचानक किसी संत से उसका सम्पर्क हुआ। वह संत से उक्त अशुभ विचारों से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना करने लगा। संत ने कहा अच्छा, अपना हाथ दिखाओं, हाथ देखकर संत भी चिंता में पड़ गए। संत बोले बुरे विचारों से मैं तुम्हारा पिंड तो छुड़ा देता, पर तुम्हारे पास समय बहुत ही कम है। आज से ठीक एक माह बाद तुम्हारी मृत्यु निश्चित है, इतने कम समय में तुम्हें कुत्सित विचारों से निजात कैसे दिला सकता हूं। और फिर तुम्हें भी तो तुम्हारी तैयारियां करनी होगी। वह व्यक्ति चिंता में डूब गया। अब क्या होगा, चलो समय रहते यह मालूम तो हुआ कि मेरे पास समय कम है। वह घर और व्यवसाय को व्यवस्थित व नियोजीत करने में लग गया। परलोक के लिए पुण्य अर्जन की योजनाएं बनाने लगा, कि कदाचित परलोक हो तो पुण्य कम लगेगा। वह सभी से अच्छा व्यवहार करने लगा। जब एक दिन शेष रहा तो उसने विचार किया, चलो एक बार संत के दर्शन कर लें। संत ने देखते ही कहा- बड़े शान्त नजर आ रहे हो, जबकि मात्र एक दिन शेष है'। अच्छा बताओ क्या इस अवधि में कोई सुरा-सुंदरी की योजना बनी क्या? व्यक्ति का उत्तर था- महाराज! जब मृत्यु समक्ष हो तो विलास कैसा? संत हंस दिये। और कहा- वत्स! अशुभ चिंतन से दूर रहने का मात्र एक ही उपाय है।

अंतर्मन

आज की पाती

फीजियोथैरेपी का बढ़ता महत्त्व

हमारे देश में फीजियोथैरेपी का बहुत महत्त्व है। इसका प्रयोग बढ़ रहा है। वैसे शरीर की हड्डियों को दुरुस्त रखने और अन्य कुछेक बीमारियों से बचने के लिए फीजियोथैरेपी चिकित्सा पद्धति हमारे देश के लिए कोई नई पद्धति नहीं है। इसका प्रचलन हमारे देश में प्राचीन समय से है। यह लगभग 200 साल पुरानी है। इसे सबसे पहले 1813 में स्वीडन में जिम्नास्टिक से जुड़े विशेषज्ञों ने शुरू किया था और फिर इसे 1887 में उपचार की आधिकारिक पद्धति के रूप में मान्यता मिली थी। जब अमेरिका में 1916 में पोलियो फैला था तब वहां इसका प्रचलन बढ़ा था। हमारे देश में मालिश और कसरत से शरीर को तंदुरुस्त रखने की परंपरा हमारे गांवों और शहरों में अभी भी चल रही है। पूरे विश्व में इस पद्धति का महत्त्व दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है।

– मनसुख लाल देवांगन, कुम्हारी

ट्रेंड

युद्ध हल नहीं

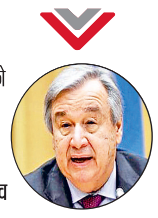

सूडान में संघर्ष को युद्ध के मैदान में हल नहीं किया जाना चाहिए। सूडानी नेताओं को अपने लोगों के हितों को सबसे आगे और केंद्र में रखना चाहिए और बंदूकों को शांत करना चाहिए।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

वादा पूरा किया

2019 में हमने अपनी सड़कों को सुरक्षित बनाने और समुदायों की सुरक्षा के लिए इंग्लैंड और वेल्स में 20,000 अतिरिक्त पुलिस अधिकारियों की भर्ती करने का वादा किया था। आज, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमने वह वादा पूरा किया है।

आज का राशिफल

मेष : गणेशजी कहते हैं कि आप आज अपने पार्टनर के लिए अपना प्यार काफी खचीर्ले तरीके से सार्वजनिक रूप से दिखा सकते हैं। आप अपने पार्टनर की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक सरप्राइज पार्टी भी रख सकते हैं। इन योजनाओं में छोटी मोटी बाधाएं आ सकती हैं लेकिन आपके पार्टनर को उनकी खुशी में आपके शामिल होने और आपके गहरे प्यार को लेकर कोई संदेह नहीं रह जाएगा।

वृषभ : गणेशजी कहते हैं कि आप जैसा रोमांटिक पार्टनर चाहते थे, आपकी उस इच्छा में अब कुछ बदलाव आ गया है, ऐसा आपको लगेगा। आप अभी बनावटी सा रोमांस कर रहे हैं लेकिन अब आप इसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू कर देंगे और रोमांस में अपने हमसफर को तलाश करने की कोशिश करेंगे। इससे आपको कुछ समस्याएं हो सकती हैं क्योंकि अच्छे हमसफर इतनी आसानी से नही मिलते लेकिन आप इन सब चुनौतियों के लिए भावनात्मक रूप से तैयार हैं।

मिथुन : गणेशजी कहते हैं कि आप जिस तरीके से रोमांटिक महसूस कर रहे हैं उससे खुद आपको भी अचरज होगा। आज तो संभावना यह है कि आप ऐसे बोल्ड तरीके से व्यवहार करेंगे जैसे आप सामान्य तौर पर कभी नही करते। इससे सभी को अचरज होगा। आपके पार्टनर भी चौंक तो जाएंगे लेकिन खुश होंगे। लम्बी रोमांटिक सैर पर जाकर एक साथ समय बिताकर इस मौके का पूरा फायदा उठायें।

कर्क : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन आपके सबंध के मामले में काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। आप अचानक अपने किसी करीबी को नए नजरिये से देखना शुरू कर सकते हैं और इससे आपको अपने सबंध की दिशा से जुदा सही फैसला करने में काफी मदद मिलेगी। अब आप बेजान हो चुके संबंधों से बाहर निकलकर उन संबंधों को समय देने के लिए खुद को तैयार पायेंगे जिन्होंने आपको मजबूत बनाया है।

सिंह : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन तीव्र भावनाओं के नाम रहेगा। रोमांस के नाम पर आपकी मांगें तो बढ़ी हैं लेकिन आपने अपने पार्टनर की भावनाओं की शक्ति और उनकी सहायता को काफी कम करके आंका है। अगर आप अपने रिश्ते के हिसाब से अपनी मांगों को देखेंगे तो पायेंगे की वे आपके पार्टनर की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। आज के समय का उपयोग अपने सबंध में थोड़े भावनात्मक होने के लिए करें।

कन्या : गणेशजी कहते हैं कि आपके अपने प्रिय के साथ आज घूमने का प्लान चौपट हो सकता है। इस प्लान को रद्द करने के पीछे का कारण जाने के लिए अपने पार्टनर को बहुत अधिक परेशान न करें। आराम से घर पर बैठ कर अपना मनपसंद टीवी शो देखने से या कोई अच्छी सी किताब पढ़ने से भी आपका दिन उतने ही मजे में कट सकता है।

तुला : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन अपने रिश्तो की खटास और कड़वाहट को कम और सही करने का है, लेकिन आप ही को पहला कदम उठाना पड़ेगा। आपको महत्वकांशा और गर्व को पीछे रखना होगा और चीजो को खुद अपने हाथो में लेना होगा, अन्यथा आपका रिश्ता एक उथल पुथल सवारी की तरह आगे बढ़ेगा। आज आपका साथी अपना मन सारे सुझावों के लिए खुला रखेगा।

वृश्चिक : गणेशजी कहते हैं कि अगर आप एक रिश्ते में है, तो बार बार बातो को न दोहराएं। आपको याद रखना है की किसी को निश्चित रूप से आप के लिए बनाया गया है। जब सही समय आएगा तो कुदरत खुद उस अनमोल उपहार को आपके सामने उपस्थित कर देगी। आप खुद अपने प्यार को आपको ढूढ़ने दो, तब तक अपने मित्रों और सहयोगियों के साथ अच्छा समय बिताये और हो सकता है वह उपहार उधर ही कही छिपा हो, अपनी आशा को न छोड़ो।

धनु : गणेशजी कहते हैं कि एक तर्क में जीतना एक दिल के जीतने से बहुत अलग है। आप अपनी बात को साबित कर सकते है, परन्तु फिलहाल इस तरीके से आपका साथी आपसे दूर हो सकता है या आपका बहिष्कार कर सकता है। अपने प्यार अपने साथी को तर्क वितर्क में जितने का मौका दें। अपने साथी को आपके बिना बोले अपना मन मस्तिष्क पढ़ने दे।

मकर : गणेशजी कहते हैं कि किसी को भी आपको नीचा दिखाने की अनुमति नहीं है। ये समय कोशिश करते रहने का समय है। अगर आपके प्यार को चोट पहुंची है, तो समझे की वह आपके लिए था ही नहीं। अब भविष्य की ओर देखने का समय है। ऐसा कोई सामाजिक दायित्व नहीं है की आप ऐसी चीज के साथ रहे जो आपकी ऊर्जा के साथ मेल नहीं खाती। आपसी टकराव के कारण पीछे हटने में ही भलाई है। आपको शीघ्र ही अपना प्यार मिल सकता है।

कुंभ : गणेशजी कहते हैं कि आपकी पुरानी प्रियतमा नयी बनने की कोशिश कर रही हैं। आपको उन्हें एक मौका देना चाहिए और दूरियों को दूर करने की उनकी कोशिशों की भी कदर करनी चाहिए लेकिन ऐसा करते यह भी यह तो उन्हें महसूस करवा ही दें कि जो गलतियाँ वे पीछे कर चुके हैं आप उन्हें जानते हैं और वे दुबारा नही दोहराई जानी चाहिए।

मीन : गणेशजी कहते हैं कि रिश्ते निभाने में आपको महारत हासिल है लेकिन इसे अधिक न होने दें और खुद को केवल इसकी शारीरिक स्तर तक ही सीमित रखें ,भावनात्मक रूप से किसी के साथ न जुड़ें। आपको भी कोई अधिक गंभीरता से नहीं लेगा और आप भी किसी को जरुरत से ज्यादा डिमांड करने की छूट न दें तो अच्छा रहेगा।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कोरोना से बचाव के लिए बरतें हर संभव सावधानी

मेरी उम्र 55 वर्ष है। मुझे पहली वेव में कोरोना हो चुका है, इसकी बूस्टर डोज भी लगवा चुका हूं। क्या नए वेरिएंट से मुझे संक्रमण का खतरा है? बचाव के लिए क्या करना चाहिए?

-राजपाल, महेंद्रगढ़

मौजूदा समय में फैल रहे कोरोना के वेरिएंट से बचने के लिए कोई स्पेशल वैक्सीन नहीं है। इसलिए इससे बचाव के लिए आपको हर तरह की सावधानी बरतनी चाहिए। कोरोना गाइडलाइंस को फॉलो करें। मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें। कुछ-कुछ अंतराल पर हाथ सैनिटाइज करते रहें या साबुन से धोते रहें।

मेरी उम्र 41 वर्ष है। कुछ दिन पहले सर्दी-जुकाम होने पर कोविड टेस्ट करवाया, रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। लेकिन जुकाम-खांसी अभी भी है, कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-बिक्रम, भोपाल

मौजूदा समय जो वायरल इंफेक्शन फैला हुआ है, उसे ठीक होने में काफी समय लग रहा है। इसमें खांसी तो एक से डेढ़ महीने, किसी किसी को 2 महीने तक भी आती है। इसलिए आपको घबराने की जरूरत नहीं है। कोशिश करें, इस दौरान ठंडी चीजें खाने से बचें और सुबह-शाम नमक वाले पानी का गरारा करें, इससे ही आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 49 साल है। कुछ दिनों से खांसी-जुकाम हो रहा है लेकिन बुखार नहीं आ रहा है। मुझे क्या सावधानी बरतनी चाहिए और ट्रीटमेंट के बारे में भी बताएं?

-बृजेंद्र, अंबिकापुर

आपको वायरल इंफेक्शन के लक्षण हैं, इसलिए अगर अधिक खांसी आ रही है तो डॉक्टर से संपर्क कर दवाएं और सिरप ले सकते हैं। इसके साथ ही जरूरत पड़े तो डॉक्टर की सलाह पर एंटीबायोटिक भी ले सकते हैं। आप नियमित रूप में गरारा करें और ठंडी चीज खाने से बचें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मुझे रोज सुबह उठने के कुछ देर बाद तक नाक से पानी गिरता है, छींक आती है। एक-दो घंटे बाद ठीक हो जाता है। ऐसा क्यों होता है, इसका क्या उपचार है?

-मुकेश, रायपुर

कुछ लोगों को एलर्जी होती है और सुबह उठते ही छींक आना और नाक बहना शुरू हो जाता है, फिर धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाता है। इससे बचाव के लिए आप सुबह उठने के बाद तुरंत घर से बाहर या ठंडे में ना निकलें। साथ ही कोशिश करें कि सुबह गर्म पानी पिएं, इस तरह थोड़ी राहत मिल जाएगी।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। जॉब की वजह से लगातार कई घंटे लेदर शूज पहनने पड़ते हैं। कुछ दिनों से पैर के तलवे में झनझनाहट महसूस होती है। मुझे क्या करना चाहिए कृपया बताएं?

-आदित्य, बिलासपुर

सबसे पहले आप शूज अच्छी ब्रांडेड कंपनी के ही पहनें। लोकल कंपनी के शूज से परेशानी हो सकती है। इसके अलावा काम के दौरान बीच-बीच में शूज खोलकर बैठें। बीच-बीच मे पैरों में हल्का मूवमेंट भी करते रहें, इस तरह आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 25 साल है। कुछ दिनों से मुझे बहुत भूख लगती है। ओवरईटिंग के बाद भी भूख महसूस होती है। मुझे डर है कहीं वेट ना बढ़ जाए, मैं क्या करूं कृपया बताएं?

-उमेश, रोहतक

सबसे पहले आप अपनी शुगर की जांच कराएं। शुगर होने पर लोगों को भूख खूब लगती है, लेकिन वजन नहीं बढ़ता है। इसलिए जांच जरूर कराएं और शुगर होने पर डाइटिशियन से संपर्क कर आप अपना डाइट चार्ट बनवाएं। उसके अनुसार ही खाना खाएं। जरूरत पड़े तो शुगर की मेडिसिन भी लें। *

प्रस्तुति-रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

आमतौर पर माना जाता है कि वैक्सीनेशन की जरूरत केवल नवजात बच्चे को कुछ बीमारियों से बचाने के लिए होती है। जबकि सच यह है कि बचपन से लेकर बुढ़ापे तक अलग-अलग रोगों से बचाव में वैक्सीनेशन कारगर भूमिका निभाता है। वर्ल्ड इम्यूनाइजेशन वीक (24-30 अप्रैल) के अवसर पर जानिए डिफरेंट वैक्सीनेशन और इनकी इंपॉर्टेंस के बारे में।

चाइल्ड स्टेज से ओल्ड एज तक कई रोगों से बचाए वैक्सीनेशन

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नरेश कुमार

जनरल फिजीशियन, एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली

जन्म लेने के बाद से ही स्वस्थ और निरोग जीवन के लिए सचेत रहने की जरूरत होती है। इसी वजह से जन्म लेने के बाद से ही शिशु को कई रोगों से बचाव करने के लिए कई तरह की वैक्सीन की डोज दी जाती हैं, जो ताउम्र चलती हैं। ये वैक्सीन उसके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं और कई बीमारियों की गिरफ्त में आने से बचाती हैं। उसके स्वस्थ जीवन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार वैक्सीनेशन हमें बचपन से बुढ़ापे तक करीब 21 खतरनाक बीमारियों और इंफेक्शन से बचाता है।

नवजात शिशु को दी जाने वाली वैक्सीन

जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशु को बीसीजी, ओपीवी, हेपेटाइटिस बी की वैक्सीन लगती हैं। बीसीजी वैक्सीन शिशु की बांईं बांह पर इंटरा-डर्मल लगाया जाता है। हेपेटाइटिस बी वैक्सीन जन्म के 24 घंटे के भीतर शिशु की जांघ पर इंटरा-मस्कुलर दी जाती है और ओपीवी-0 पोलियो की 2 ओरल ड्रॉप्स 15 दिन के अंदर दी जाती हैं। डिस्चार्ज के बाद बच्चे को जन्म के 6, 10 और 14वें सप्ताह में ओपीवी-1, 2, 3 की ओरल पोलियो ड्रॉप्स दी जाती हैं। इसी के साथ 6, 10 और 14वें सप्ताह में शिशु को थाई पर इंटरा-मस्कुलर पेंटावालेंट वैक्सीन भी दी जाती है। यह पेंटावालेंट वैक्सीन 5 मल्टीपल डिजीज में दी जाने वाली वैक्सीन को मिलाकर बनती है-डिप्थीरिया, टिटनेस, व्हूपिंग कफ, हीमोफीलिया और इंफ्लूएंजा टाइप बी। इसी पीरियड में शिशु को रोटावायरस ड्रॉप्स की 3 डोज भी पिलाई जाती हैं- पहली जब बच्चा 6-12 सप्ताह का हो, दूसरी डोज 4-10 सप्ताह के बीच और तीसरी डोज 32 सप्ताह या 8 महीने का होने पर दी जाती है।

बच्चे को आईपीवी पोलियो का इंजेक्शन 6 सप्ताह और 14 सप्ताह पर दिया जाता है। उन्हें यह वैक्सीन 2 डोज में सीधी बांह पर इंटरा-डर्मल लगाई जाती है। छठें महीने में शिशु को टाइफायड वैक्सीन, ओरल पोलियो वैक्सीन और इंफ्लूएंजा (सीजनल फ्लू) वैक्सीन भी लगाई जाती है।

6 महीने से अधिक उम्र के शिशुओं के लिए

9-12 महीने के बीच बच्चे को एमएमआर या खसरे (मीजल्स, मंप्स और रुबैला) की कॉम्बिनेशन वैक्सीन लगती है। यह सीधी बांह पर स्किन के अंदर लगाई जाती है। 9 महीने पूरे होने पर बच्चे को 2 तरह की विशेष वैक्सीन दी जाती हैं- विटामिन ए और जैपनीज एंसेफलाइटिस की। 9 महीने और एक साल पूरे होने पर बच्चे के बांईं बांह पर जैपनीज इंसेफलाइटिस यानी दिमागी बुखार के दो डोज दिए जाते हैं। 9 महीने का होने पर मीजल्स-रुबैला वैक्सीन के साथ बच्चे को विटामिन ए की फर्स्ट ओरल डोज दी जाती है।

विटामिन ए की ओरल ड्रॉप्स के डोज शिशु को 16-18 सप्ताह के बीच दिए जाते हैं और एक-एक डोज हर 6 महीने में दिए जाते हैं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चे के लिए

एक साल का होने पर बच्चे को हेपेटाइटिस ए की वैक्सीन दी जाती है। यह 2 तरह की होती है- लाइव वैक्सीन, जिसकी सिंगल डोज दी जाती है, दूसरी इनएक्टिव वैक्सीन जिसकी 6 महीने के अंतराल पर 2 डोज (12वें और 18वें माह में) दी जाती हैं। 15वें माह में बच्चे को एमएमआर की सेकेंड डोज, वैरीसेला 1 (चिकन पॉक्स के लिए) दी जाती है। डेढ़ साल से दो साल के बच्चे को वैक्सीन की बूस्टर डोज बढ़ाकर दी जाती हैं- डीपीटी बूस्टर-1, एमएमआर सेकेंड डोज, ओपीवी बूस्टर पोलियो ओरल ड्रॉप्स, विटामिन ए और जैपनीज इंसेफलाइटिस की डोज। 5-6 साल का होने के बाद बच्चे को डीपीटी बूस्टर-2 इंजेक्शन लगता है। 10वें और 15वें साल में उन्हें टिटनेस का बूस्टर इंजेक्शन दिया जाता है। चिकन पॉक्स वैक्सीन की दो डोज डेढ़ साल पर और 5 साल पर दी जाती हैं। निमोकोकल वैक्सीन की 5 डोज दी जाती है- पहले 6-10-14 सप्ताह पर तीन डोज दिए जाते हैं। फिर 15 महीने और 10 साल पर बूस्टर डोज। इनके साथ ही टायफाइड वैक्सीन की पहली डोज बच्चे को एक साल के अंदर देते हैं, जिसका बूस्टर इंजेक्शन दो साल पर दिया जाता है।

वयस्कों को किया जाने वाला वैक्सीनेशन

आमतौर पर माना जाता है कि वयस्क लोग चूंकि अपना ध्यान रख सकते हैं, उन्हें वैक्सीनेशन की खास जरूरत नही पड़ती। लेकिन यह गलत है क्योंकि इम्यूनिटी मजबूत ना होने से वो आसानी से इंफेक्शन की चपेट में आ जाते हैं और विभिन्न बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। टेटनस, डिप्थेरिया या व्हूपिंग कफ, एक्सेल्युलर पेट्यूसिस के लिए 11-18 साल की उम्र के किशोरों को टी-डेप (टीडीएपी) वैक्सीन दी जाती है। इसके बाद हर 10 साल में 19-64 साल की उम्र तक के वयस्कों को टीडी वैक्सीन की बूस्टर वैक्सीन दी जानी चाहिए।

तीन साल पहले सामने आई कोविड महामारी के संक्रमण से बचने के लिए वयस्कों को कोविशील्ड, को-वैक्सीन, नेजल वैक्सीन, कोवो-वैक्स में से कोई वैक्सीन लगानी जरूरी है। एक वैक्सीन की 2 डोज दी जाती हैं। प्रोटेक्टिव डोज के रूप मे व्यक्ति को वैक्सीन की बूस्टर डोज भी लेना जरूरी है। इसके अलावा वयस्क लोगों को हर साल सितंबर-नवंबर के बदलते मौसम की शुरुआत में इंफ्लूएंजा फ्लू वैक्सीन लगवानी चाहिए। खासकर जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर हो,जैसे- बुजुर्ग लोग, एचआईवी के मरीज आदि।

ये भी हैं जरूरी

- हेपेटाइटिस बी पीड़ित व्यक्ति को शुरुआती लक्षण होने पर ही अगर हेपेटाइटिस ए, बी का वैक्सीन और ओरल मेडिसिन दी जाए तो मरीज का आसानी से बचाव हो जाता है।
- लीवर, अस्थमा, किडनी जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजो को हर 5 साल में निमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन(पीवीसी) और न्यूमोकोकल पॉलिसेकराइड वैक्सीन (पीपीएस वी) दी जाती है। लेकिन जो महिलाएं प्रेग्नेंसी प्लान कर रही हों या प्रेग्नेंट हों, उन्हें ये वैक्सीन नहीं देनी चाहिए।
- एच1एन1 वायरस इंफेक्शन से बचाव के लिए वयस्को को साल में एक बार स्वाइन फ्लू का इंजेक्शन लगाया जाता है।
- जिन्हें बचपन में चिकन पॉक्स ना हुआ हो उन्हें हर्पीस या जोस्टर वायरस से चिकन पॉक्स कभी भी हो सकता है। इसके लिए व्यक्ति को चिकन पॉक्स की वैक्सीन 4 सप्ताह के अंतराल पर जोस्टर वैक्सीन 2 डोज में दी जाती है।
- प्रेग्नेंट महिलाओ को 27-36 सप्ताह के बीच टी-डेप वैक्सीन दी जाती है ताकि जच्चा-बच्चा को कोई दिक्कत ना हो। लॉक जॉ डिजीज से बचाव के लिए टिटनेस ऑक्साइड वैक्सीन दी जाती है। टिटनेस वैक्सीन का पहला डोज चौथे महीने और दूसरा एक महीने के बाद लगाया जाता है।
- सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए महिलाओं ने अगर बचपन में वैक्सीन नहीं लगवाई है, तो 45 साल की उम्र तक की महिलाएं यह वैक्सीन ले सकती हैं। इसी तरह रिप्रोडक्टिव उम्र की लड़कियों और प्रेग्नेंसी प्लान करने वाली महिलाओं कों रुबैला वैक्सीन-एमएमआर लगवानी चाहिए। *

प्रस्तुति-रजनी अरोड़ा

फिटनेस मंत्र

सिंधु मिश्रा

डांस करने से बॉडी, माइंड और सोल हेल्दी-फिट रहते हैं, ऐसा मानती हैं भरतनाट्यम नृत्यांगना गुरु सिंधु मिश्रा। इंटरनेशनल डांस-डे (29 अप्रैल) के अवसर पर वे विस्तार से बता रही हैं, डांस करने के तमाम हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में।

डांस करिए-फिट रहिए

हमारी हेल्थ और डांस का बहुत गहरा और सीधा संबंध होता है। डांस चाहे किसी भी प्रकार का हो, उसमें बहुत सारी फिजिकल एक्टिविटीज होती हैं। फिजिकल एक्टिविटीज से फिटनेस बनी रहती है। अगर हम क्लासिकल डांस की ही बात करते हैं तो इसमें शरीर को किस प्रकार होल्ड करते हैं, कैसे मोल्ड करते हैं, डांस के दौरान मूवमेंट्स और बॉडी का पोश्चर किस प्रकार का होता है, इन सबसे शरीर को लाभ मिलता है।

आइज मूवमेंट्स: क्लासिकल डांस में आंखों की जो भाव-भंगिमाएं होती हैं, दृष्टि का जो मूवमेंट होता है। दाएं से बाएं हो या ऊपर-नीचे या चारों ओर घुमाने का, इससे आंखों की बहुत अच्छी एक्सरसाइज होती है। आंखों का यह मूवमेंट, भरतनाट्यम नृत्य में सबसे ज्यादा होता है। अन्य नृत्यों में भी आंखों का संचालन बहुत अच्छा होता है।

बॉडी होल्डिंग: नृत्य में सीधा खड़ा होना और शरीर को साधना यानी बॉडी होल्डिंग बहुत जरूरी है। यह क्लासिकल डांस की बेसिक और शुरुआती प्रक्रिया है, जो डांस सीखने आए छात्रों को गुरु सिखाते हैं। क्लासिकल डांस सीखने वाले छात्रों को दो-तीन महीने तक तो केवल रीढ़ को सीधा करके खड़ा होने की विभिन्न एक्सरसाइज कराते हैं, ताकि बच्चे सीधे खड़े होकर बॉडी को होल्ड करना सीखें। जो लोग नृत्य करते हैं, उन्हें कभी स्पाइन संबंधी कोई भी रोग नहीं होता, क्योंकि उन्होंने अपनी रीढ़ को सीधा रखना नृत्य के माध्यम से सीख लिया होता है। इसलिए जब वे नृत्य नहीं भी कर रहे होते हैं, कुर्सी पर बैठे होते हैं या कंप्यूटर पर काम करते हैं तो वे कभी कमर या गर्दन झुकाकर नहीं बैठते। इससे उन्हें कमर, गर्दन या रीढ़ संबंधी समस्या नहीं होती है।

हैंड एक्सरसाइज: डांस के दौरान डांसर अपने हाथों को हर दिशा में घुमाता है। हाथों के मूवमेंट्स इस तरह से होते हैं कि उससे हाथों की मसल्स बहुत मजबूत हो जाती हैं, इसमें लचीलापन आता है। जो लोग डांस करते हैं, उन्हें कभी फ्रोजेन शोल्डर की दिक्कत नहीं होती है। दरअसल, डांस बॉडी के ज्वाइंट्स को जाम नहीं होने देता है।

लेग्स एक्सरसाइज: किसी भी डांस में पैरों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है, इसलिए डांसर्स की पैरों की मसल्स बहुत ज्यादा स्ट्रॉन्ग होती हैं, उनमें स्टेमिना बहुत मजबूत होता है। दोनों पैरों की सारी मसल्स, फिर वो चाहे थाई एरिया की हों या घुटने के नीचे वाले हिस्से के पीछे की मसल्स, सभी बहुत टाइट हो जाती हैं। उनमें एक्सट्रा फैट नहीं दिखता है। ऐसे लोगों को कभी पैरों में दर्द, घुटनों में दर्द, वैरिकोज वेंस, एड़ी में दर्द जैसी पैरों से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। नृत्य पैरों को हर तरह से मजबूत कर देता है। जो लोग नियमित नृत्य करते हैं, उन्हें अर्थराइटिस की समस्या भी नहीं होती है।

बढ़ता है कंसंट्रेशन: आज के दौर में बच्चों में एक कॉमन प्रॉब्लम यह देखी जाती है कि उनका किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित नहीं हो पाता है। डांसिंग इसमें भी मदद करता है। जो बच्चे नृत्य करते हैं, उनका ध्यान और फोकस बाकी लोगों से बहुत अच्छा होता है, क्योंकि डांस केवल फिजिकल एक्टिविटी ही नहीं है बल्कि यह ध्यान भी है। मैं तो अपने शिष्यों से उनकी परीक्षाओं के समय भी कुछ देर नृत्य करने के लिए बोलती हूं। इससे तनाव दूर होता है, शरीर में एनर्जी आती है और पूरे उत्साह के साथ फिर से पढ़ाई में अपना फोकस कर पाते हैं।

मिलती है खुशी: अगर हम नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो हमें जिम जाकर एक्सरसाइज करने की जरूरत नहीं रह जाती। मेरा मानना है हर किसी को नृत्य करना चाहिए। इससे सारा स्ट्रेस दूर हो जाता है, एक खुशी का अहसास होता है। क्योंकि नृत्य हमारी बॉडी, माइंड और सोल को हेल्दी-फिट रखता है। *

(रेणु खंतवाल से हुई बातचीत पर आधारित)

घरेलू औषधि

गर्मी में विशेष लाभकारी गुणकारी पुदीना

पुदीना किसी परिचय का मोहताज नहीं है। विभिन्न रूपों में इसका उपयोग गांवों से लेकर महानगरों तक खूब होता है। इसकी खुशबू मनभावन होती है। यह ना केवल ताजगी देता है, बल्कि शरीर को भी ठंडक प्रदान करता है। इसमें फाइबर, विटमिन ए, आयरन,मैगनीज आदि अनेक स्वास्थ्यवर्धक और स्वास्थ्य रक्षक तत्व पाए जाते हैं। इसमें मिलने वाला एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन ए आंखों की रोशनी के लिए अत्यधिक उपयोगी है। इसका सेवन मानसिक तनाव दूर करने में सहयोगी है। आयुर्वेद के अनुसार यह कफ, वात दोष को कम करता है। भूख बढ़ाने में सहायक है। इसका सेवन दस्त, पेचिश, बुखार, पेट और लिवर के विकारों को ठीक करने में सहायक है। अब जानिए विभिन्न रोगों में पुदीना का प्रयोग कैसे करते हैं?

- बालों के रूखेपन और टूटते बालों को रोकने के लिए इसको पीस कर बालों पर लगा कर एक घंटे बाद हल्के हाथ से साफ पानी से धोएं।
- गर्मी के दिनों में त्वचा पर इसकी पत्तियों का लेप लगाने से ताजगी महसूस होती है।
- पेशाब में जलन हो, रुक-रुक कर आता हो तो इसकी पत्तियों को पानी के साथ पीसकर पानी और नीबू मिलाकर पीना हितकर है।
- खांसी परेशान कर रही हो तो अदरक के रस में पुदीना का रस मिला कर शहद के साथ सेवन करने से लाभ होगा।
- गर्मी के दिनों में इसकी स्वादिष्ट चटनी खाना बहुत लाभकारी है। यह चटनी भूख बढ़ाने, खाने में अरुचि दूर करने और हाजमा सही करने में लाभकारी है।
- पुदीना के रस में पानी मिला कर गरारे करना गले की गांठों (टॉन्सिल) के दर्द में लाभकारी है।
- पेट में होने वाली जलन के लिए गीला पुदीना या पुदीना के सूखे पत्ते छाछ में मिलाकर पीना हितकर है। तलवों में होने वाली जलन के लिए फ्रीज में ठंडे किए हुए पुदीना के पत्तों को ठंडे पानी के साथ पीस कर तलवों पर लगाएं।
- पेटदर्द, दस्त और कब्ज में इसकी चाय पीना हितकर है। याददाश्त (स्मरणशक्ति), सजगता और मस्तिष्क को सबल बनाने में भी इसकी चाय का सेवन लाभकारी है।

ऐसे लोगों को इसके सेवन से बचना चाहिए, जिनके मधुमेह का स्तर स्टेबल ना हो, लो ब्लड प्रेशर के पेशेंट और गर्भवती महिलाओं को पुदीना के सेवन से बचना चाहिए। यहां बताए गए किसी भी उपाय या उपचार का प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

-वैद्य हरिकृष्ण पांडेय 'हरीश'

बैचलर ऑफ फिजियोथैरिपी कोर्स कर करियर को दें नई उड़ान

एम्स से लेकर स्पोर्ट्स लाइन में मिलेंगी बेहतर संभावनाएं

12वीं कक्षा के छात्र मेडिकल और पैरामेडिकल कोर्सेस के बारे में इंटरनेट से जानकारी हासिल करते हैं। छात्र हेल्थ केयर सेक्टर में अपनी रूचि और इच्छा के अनुसार करियर बनाने का सपना लेकर आते हैं। वहीं कोरोना महामारी के दौरान हेल्थ केयर सेक्टर में शामिल लोगों ने जिस तरह से दिन-रात लोगों के लिए काम किया और अपनी ड्यूटी की, उसे कोई भुला नहीं सकता है। सेवा के इसी भाव से और अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कई छात्र मेडिकल व पैरामेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखते हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली के टॉप पैरामेडिकल के कोर्स बैचलर ऑफ फिजियोथैरपी कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर छात्र फिजिकल थैरेपिस्ट या फिजियोथैरेपी बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। इन टॉप संस्थानों से यह कोर्स पूरा करने के बाद छात्र किसी भी प्राइवेट और सरकारी अस्पताल या क्लीनिक आदि में नौकरी पा सकते हैं। इस क्षेत्र में शुरूआत में आप 3 से 4 लाख रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं।

क्या है बीपीटी

बीपीटी को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी कहा जाता है। बता दें कि यह एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है। इस कोर्स की अवधि 4 साल की होती है। यह कोर्स मानव संरचना से संबंधित जैसे पोस्ट फ्रैक्चर दर्द, मूवमेंट के लिए एक्सरसाइस और शारीरिक दर्दों से निजात दिलाने में सहायक होती है।

बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी के लिए योग्यता

12वीं साइंस स्ट्रीम से पास होना अनिवार्य है।

पीसीबी के सब्जेक्ट पढ़ा होना अनिवार्य है।

अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है।

इसके अलावा 12वीं में कम से कम 50% अंक होना चाहिए।

आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 5% की छूट प्राप्त है।

इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम आयु 17 साल होनी चाहिए।

प्रवेश परीक्षा

इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना जरूरी है। कुछ संस्थानों में एडमिशन परीक्षा के आधार पर होता है तो वहीं कुछ संस्थान डायरेक्ट एडमिशन देते हैं।

संस्थान

आईपीयू सीईटी

वीईई

बीसीईसीई

एलपीयूएनईएसटी

आईईएमजीई

बीपीटी कॉलेज की लिस्ट

वैसे तो भारत में 200 अधिक कॉलेज बीपीटी का कोर्स ऑफर करते हैं। इनमें से 80% कॉलेज प्राइवेट हैं। यहां हम आपको बेस्ट बीपीट कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां से आप यह कोर्स कर सकते हैं।

जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली - 135,000 रुपये फीस

केआर मंगलम यूनिवर्सिटी, गुड़गांव - 115,000 फीस

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली - 93,100 रुपये

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (जेएमआई), नई दिल्ली - 21,800 रुपये

एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा - 116,000 रुपये

हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर), नई दिल्ली - 264,500 रुपये

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस), रोहतक - 12,395 रुपये (प्रथम वर्ष फीस)

गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुड़गांव - 40,000 रुपये

गलगोटिया विश्वविद्यालय - 75,000 रुपये

डीपीएसआरयू - 56,000 रुपये

शारदा विश्वविद्यालय - 1.58 लाख रुपये

सीएम बघेल को किसानों ने बताया : शासन की योजनाओं से आई आर्थिक समृद्धि

भेंट मुलाकात करने मुख्यमंत्री पहुंचे कुरूद विधानसभा, अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कुरूद विधानसभा में शुक्रवार को भेंट मुलाकात के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां सेमरा ग्राम में ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानी। साथ ही उन्होंने इस अवसर पर 82 करोड़ 39 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। लोकार्पित होने कार्यों में 45 करोड़ 27 लाख रुपए के 31 कार्य शामिल हैं। 37 करोड़ रुपए की लागत से 34 कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि हम लोग श्रमिकों के लिए भी कार्य कर रहे हैं। भूमिहीन श्रमिकों को राशि दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मई दिवस के अवसर पर श्रमिकों के लिए रायपुर में सम्मेलन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ी में अपनी चर्चा में मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से कहा कि आप मन के झारा-झारा न्योता हे। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया, सिहावा विधायक श्रीमती लक्ष्मी ध्रुव, अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्लै, मुख्यमंत्री के सचिव एस भारतीदासन, संभागायुक्त यशवंत कुमार, एसपी प्रशांत ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारीगण मौजूद रहे।

वर्मी कंपोस्ट से फसल में बीमारी नहीं

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले किसानों से बातचीत की। भखारा निवासी एक किसान ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट के बड़े अच्छे नतीजे आये हैं। फसल में बीमारी बिल्कुल नहीं हुआ। इससे काफी बचत हो गई। इसके साथ ही 3 लाख रुपए का ऋण माफ हो गया है। अभी तो सरकार ने 20 क्विंटल धान खरीदी की घोषणा कर दी है। इससे तो किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। किसान गोविंद राम साहू ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की सारी किश्त मिल गई है। एक एकड़ खेत था। कुछ कर्ज था जो कर्जमाफी योजना के चलते माफ हो गया। वर्मी कंपोस्ट की बात आई तो बसंती साहू ने बताया कि हम लोग वर्मी खाद बनाते हैं और इसकी अच्छी खासी बिक्री होती है। अभी उनके समूह ने 77 हजार रुपए का वर्मी कंपोस्ट बना लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की ऊर्वरा शक्ति बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि हम जैविक खाद का ही प्रयोग करें।

अस्पताल तो आप गांव में भेज देते हैं

जब मुख्यमंत्री ने हाट बाजार में मोबाइल वैन के बारे में पूछा तो अमृत लाल साहू भेंडरवानी ने बताया कि ये तो बहुत अच्छी योजना है। इस योजना में तो हमको अस्पताल तक नहीं जाना पड़ता। अस्पताल ही गाँव में आ जाता है। हाटबाजार जाते हैं तो इलाज करा लेते हैं और मुफ्त में दवा भी मिल जाती है। राजेश्वरी ने बताया कि मेरा बेटा 3 साल का है पहले कमजोर था। मुख्यमंत्री सुपोषण मिशन का लाभ उठाया और अब पूरी तरह स्वस्थ और तंदरूस्त है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल की वजह से हमारे 50 हजार रुपए बचे, बचत से हायर स्टडी में मिलेगी मदद

प्रियांशु दास मानिकपुरी स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि शिक्षक भी बहुत अच्छे हैं। मेरे पिता भी सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। यहां पढ़ाई बहुत अच्छी है। प्रियांशु ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। सान्या गायकवाड ने बताया कि मैं कामर्स संकाय की छात्रा हूँ। सान्या ने बताया कि वो छाती में रहती है वो कुरूद स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती हूँ। मेरे पिता किसान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इनके पिता किसान हैं और अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए कितना ध्यान रख रहे हैं। सान्या ने बताया कि इसके पहले उसे 30 हजार रुपए देने पड़ते थे और 50 हजार तक बस का खर्च मिलाकर हो जाता था। अब मैं इस बचे पैसे को हायर एजुकेशन में खर्च करूंगी।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

इस अवसर पर सेमरा बी में मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। इसमें कुरूद-चर्रा- कातलबोड-नवागांव मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण , गाड़ाडीह-परखंदा-गुदगुदा नारी मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, कुरमातराई, भेण्डरा, कोर्रा जुगदेही, सिलौटी, सेमरा, अरकार मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य शामिल है। साथ ही ग्राम पंचायत सेमरा बी में पशु औषधालय का पशु चिकित्सालय में उन्नयन, नगर पंचायत भखारा में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में विभिन्न निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत गातापार के अंतर्गत सिर्री और कोर्रा में मुक्तिधाम, ग्राम पंचायत के भेंडरी के बालक प्राथमिक शाला का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू(शिक्षक) के नाम पर करने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम पंचायत सेमरा बी में धान खरीदी केंद्र सेमरा में शेड एवं खाद गोदाम का निर्माण करने तथा ग्राम कोर्रा में जिला सहकारी बैंक हेतु भवन के निर्माण की घोषणा भी की।

कमला नेहरू पब्लिक हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नर्सरी से ले कर कक्षा 9वी तक की वार्षिक परीक्षा की घोषणा किया गया जिसमे सर्वप्रथम घोषणा करने से पूर्व सरस्वती माता के छायाचित्र पर दीपप्रजावलित कर परीक्षा परिणाम की घोषणा किया गया जिसमे परीक्षा परिणाम 100% रहा ।कक्षा नर्सरी मैं प्रथम स्थान भौमिक प्रधान 95% दूसरा स्थान पर निखिल राणा 90%तीसरा स्थान मनन प्रधान85% के. जी.1 मैं प्रथम स्थान कृष पड़ोंती97% दूसरा स्थान निकिता शोरी 90%तीसरा स्थान कृति रावते 68%के.जी. 2 प्रथम स्थान रोशन पड़ोती 98%दूसरा स्थान वीर नेताम90% तीसरा स्थान ओझल पटेल89% कक्षा पहली मैं प्रथम स्थान कृष्णा रजक 95% दूसरा स्थान वेणुका कोरेटी 90.50%तीसरा स्थान तेजश्वानी मांडवी 90% कक्षा दूसरी मैं प्रथम स्थान दिव्या पटेल 91.50% दूसरा स्थान पूरब पटेल87% तीसरा स्थान दिव्यांश बरमाते 73%कक्षा तीसरी मैं प्रथम स्थान भव्य प्रताप दुग्गा81.50% दूसरा स्थान मोनिका मार्गिया78% तीसरा स्थान रोहित पटेल68% कक्षा पांचवी प्रथम स्थान हिमांशु मार्गीय90% दूसरा स्थान राज शर्मा84.50% तीसरा स्थान कांशु देवांगन83% कक्षा छटवी मैं प्रथम स्थान खेमांशी पोटाई 91.33%दूसरा स्थान पियूष प्रधान84% तीसरा स्थान सेवता कावड़े83.33% कक्षा सातवी मैं प्रथम स्थान खुशी मांडवी 83.33%दूसरा स्थान विवेक साहू86% तीसरा स्थान तमन्ना केमरो80.33% कक्षा आठवीं मैं प्रथम स्थान प्रवीण सेन 78.83%दूसरा स्थान पीयूष यादव70% कक्षा नवमी मैं प्रथम स्थान साक्षी अग्रवाल62.83% दूसरा स्थान सानिध्य 58.70%शर्मा तीसरा स्थान तेज पटेल 63.30%रहे।

आत्मनिर्भर हो रही महिलाएं : राज्य सरकार ने 2022-23 में दिया 10 करोड़ से अधिक का ऋण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला-बाल विकास विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ महिला कोष का संचालन कर रही है। महिला कोष के माध्यम से महिलाओं के कौशल उन्नयन के साथ उन्हें व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए कम ब्याज दर में ऋण उपलब्ध कराकर सहयोग किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में महिला कोष ने 10 हजार 500 से अधिक महिलाओं को 10 करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक ऋण राशि स्वीकृत की है, जो विगत 5 वर्षों में सर्वाधिक है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा ऋण योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह को दी जाने वाली ऋण राशि को दो लाख से बढ़ाकर चार लाख करने की घोषणा की गई थी। उनकी घोषणा के पालन में गत वित्तीय वर्ष में बड़ी संख्या में महिला समूह को 4 लाख रूपए का एकमुश्त ऋण स्वीकृत किया गया है।

विभागीय मंत्री अनिला भेंड़िया के अनुरोध पर मुख्यमंत्री बघेल ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महिला कोष के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि की है। पहले महिला कोष को एक या दो करोड़ रूपए का वार्षिक आबंटन उपलब्ध होता था, मगर वर्ष 2023-24 में 25 करोड़ रूपए का वार्षिक बजट उपलब्ध कराया गया है।

महिला कोष द्वारा संचालित सक्षम योजना में दो करोड़ 63 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया है, जो योजना शुरू होने के बाद किसी भी वित्तीय वर्ष में स्वीकृत किए गए ऋणों में सर्वाधिक है। ऋण योजना अंतर्गत 8 करोड़ 8 लाख का ऋण महिला स्व-सहायता समूहों को दिया गया है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार सक्षम योजना में भी वित्तीय वर्ष 2022-23 में स्वीकृत राशि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में दोगुनी है। दोनों योजनाओं के तहत रायपुर जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 1 करोड़ 60 लाख रुपए तथा उसके बाद दुर्ग जिले में 1 करोड़ 30 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं हाट बाजार और छोटे कार्यों के लिए ऋण लेने हेतु बैंक जाने में संकोच करती थीं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में नवीन कौशल्या समृद्धि योजना के लिए 25 करोड़ रूपए का बजट अतिरिक्त रूप से स्वीकृत किया है। इस योजना के शुरू होने से महिलाओं को महिला कोष से बड़ी राशि प्राप्त हो सकेगी।

क्या भाजपा को ही बयान देने का अधिकार है : भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री बघेल ने कर्नाटक के भाजपा विधायक के बयान पर कड़ी प्रतक्रिया दी है। भूपेश बघेल ने कर्नाटक में भाजपा के एक विधायक ने सोनिया गांधी को विष कन्या कहने पर कहा, भाजपा को ही बयान देने का अधिकार है। मल्लिकार्जुन खरगे के बयान का पूरे देश में विरोध हुआ। उन्होंने बड़प्पन दिखाते हुए अपना शब्द वापस लिया है, लेकिन अब भाजपा विधायक की तरफ से सोनिया गांधी को विष कन्या कहा गया है। ये हर बार सोनिया गांधी को टारगेट करते है। घोर निंदनीय है, भाजपा नेताओं के कहने पर किया गया है।

स्वस्थ रहने के लिए बेहतर जीवनशैली अपनाएँ कैदी : डॉ. हीरा लाल

कैदियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें देने के लिए जेलों के डॉक्टर व पैरा मेडिकल स्टाफ के दूसरे बैच की ट्रेनिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। प्रदेश की जेलों में निरुद्ध कैदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने को लेकर वृहस्पतिवार को यहाँ एक निजी होटल में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी। यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के नेतृत्व में यूपीएनपी प्लस संस्था के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में प्रदेश के सभी जेलों के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के दूसरे बैच को तकनीकी और व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अपर परियोजना निदेशक डॉ. हीरा लाल

ने किया। इस मौके पर डॉ. हीरा लाल ने कहा कि कैदियों को बीमारियों से सुरक्षित बनाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। इसी के तहत हर कैदी के स्वास्थ्य की समय-समय पर जाँच की जाती है। स्क्रीनिंग एवं जांच के लिए संसाधनों को भी बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति को स्वस्थ रखना है, समाज को स्वस्थ बनाना है तो हमें बचाव पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है, क्योंकि बचाव उपचार से अच्छा होता है। डॉ. हीरा लाल ने जनपद बांदा में अपने जिलाधिकारी कार्यकाल के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि बांदा जेल में कैदियों को स्वस्थ रखने और अच्छा जीवन शैली अपनाने के लिए उन्होंने कई नवाचार किए। इसके फलस्वरूप बांदा जेल को पुरस्कृत भी किया गया। अपनी लिखी किताब डायनमिक डीएम का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने विस्तार से बताया कि उन्होंने कैसे बांदा जेल में बेहतर काम करवाये। डॉ. हीरा लाल ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए बीमारियो से बचना बेहतर है, बीमार होकर दवा इलाज कराने की अपेक्षा। उन्होंने योग, व्यायाम, स्वस्थ जीवन शैली सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्यपरक बातों पर भी चर्चा किया। यूपी स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नेशनल एड्स कंट्रोल आर्गनाइजेशन (नाको) के दिशा निर्देश के मुताबिक प्रदेश के सभी कारागार के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को कैदियों के गुणवत्तापूर्ण जाँच और बेहतर इलाज के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। स्टेट टीबी सेल के स्टेट एचआईवी /टीबी समन्वयक डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि एचआईवी मरीजों की सबसे ज्यादा मृत्यु टीबी की बीमारी की वजह से हो जाती है, इसलिए टीबी संक्रमण संबंधित जागरुकता, जांच और समय पर इलाज की अधिक जरूरत होती है। डॉ. सिंह ने टीबी से बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा सभी एचआईवी संक्रमितों की टीबी जांच और सभी टीबी मरीजों की एचआईवी जांच को सुनिश्चित किया गया है। स्टेट टीबी सेल के साथ काम कर रहीं डब्ल्यूएचओ सलाहकार डॉ. प्रीति पी एस ने भी इस मौके पर क्षय रोग और भविष्य में मरीजों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के विविध पक्षों पर प्रतिभागियों से चर्चा की ।

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा की जीत के लिए कार्यकताओं के साथ की बैठक

मोहनलालगंज नगर पंचायत चुनाव में भाजपा की जीत के लिये केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कार्यकर्ताओ संग की बैठक, दिये जीत के टिप्स

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज नगर पंचायत चुनाव में भाजपा की जीत के लिये गुरूवार को केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने विधायक अमरेश कुमार रावत के साथ भाजपा प्रत्याशी रामलाल के मऊ गांव में बने कार्यालय पर पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों, बूथ अध्यक्षो व कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर जीत के लिये रणनीति बनाई ।केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा कि नगर पंचायत चुनाव में जीत के लिये सभी कार्यकर्ता लोगो के घरो तक जाएं ।उनको सरकार की योजनाओ के बारे में जानकारी दे ।वोट के दिन बूथ स्तर पर अधिक मेहनत की जरूरत होती है ।इसकी तैयारी अभी से कर ले ।आखिरी चुनाव बूथ पर ही होता है ।उन्होने नगर पंचायत चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिये कार्यकर्ताओ को टिप्स भी दिये ।केन्द्रीय राज्यमंत्री ने बैठक में मौजूद वार्डो के प्रत्याशियों से कहा आप केवल अपने -अपने वार्डो पर कड़ी मेहनत कर भाजपा को भारी मतो से जिताये ।भाजपा विधायक अमरेश कुमार रावत ने कार्यकर्ताओ में जीत के लिये जोश भरा ।केन्द्रीय राज्यमंत्री ने नमन वर्मा, सचिन गौतम समेत कई दलो के दर्जन भर नेताओ को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करायी।

हाईस्कूल में फेल छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के मऊ गांव में डीसीएम चालक कुलदीप सिहं अपनी पत्नी संगीता व चार बेटियों माही, महिमा, मुस्कान व खुशी के साथ रहते है, कुलदीप ने बताया बेटी महिमा(15वर्ष) व मुस्कान काशीश्वर इंटर कालेज में हाईस्कूल में एक साथ पढती थी ओर इसी वर्ष बोर्ड की परीक्षा दी थी, रिजल्ट आया तो मुस्कान पास हो गयी थी ओर महिमा फेल हो गयी थी, जिसके बाद से बेटी महिमा परेशान रहने लगी थी, बुद्धवार की देर रात सभी परिजन खाना खाकर अपने-अपने कमरो में सो गये तो बेटी महिमा ने घर के प्रथम तल की छत में निकली सरिया में साड़ी का फंदा डालकर फांसी लगाकर जान दे दी ।गुरूवार की सुबह 5:30बजे के करीब पत्नी संगीता सोकर उठी ओर छत पर गयी तो बेटी महिमा का साड़ी के फंदे से शव लटकता देखा तो चीख पड़ी।

आयुष्मान के जरिये कैंसर का इलाज होगा और बेहतर

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप की बैठक

घर के नजदीक ही मिले कैंसर की जाँच व इलाज की सुविधा

पीपीपी मॉडल पर आयुष्मान से जोड़े जायेंगे और अस्पताल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कैंसर की स्क्रीनिंग, जांच, इलाज और रेफरल को और बेहतर बनाने पर स्टेट हेल्थ एजेंसी साचीज द्वारा लगातार हरसम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। इसी को लेकर बनाये गए स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप की दूसरी बैठक वृहस्पतिवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कैंसर के इलाज में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा हुई और लैंडस्केप ऑफ कैंसर केयर प्रोविजन इन उत्तर प्रदेश पर स्टडी

रिपोर्ट लॉन्च की गयी।

प्रमुख सचिव ने कहा कि किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव व डॉ. आनन्द मिश्रा द्वारा आयुष्मान भारत के तहत कैंसर के इलाज को लेकर तैयार की गयी स्टडी रिपोर्ट सभी मेडिकल कालेजों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और स्टेक होल्डर से साझा की जाए। रिपोर्ट पर आने वाले सुझावों के बारे में शासन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण को भी अवगत कराया जाए ताकि जो बिंदु और पैकेज किन्हीं कारणों से छूट गए हैं उन्हें जगह मिल सके। कैंसर की शीघ्र स्क्रीनिंग, जाँच और इलाज की सुविधा भी उसी तरह से लोगों को घर के नजदीक ही मिले जैसा कि अन्य बीमारियों में मिल रही है। इसके लिए कुछ बड़े अस्पतालों को पीपीपी मॉडल पर आयुष्मान भारत के तहत सूचीबद्ध किया जाए। राजधानी के बलरामपुर अस्पताल में जिस तरह से कैंसर के इलाज की सुविधा बढ़ाई गयी है, उसी तरह से अन्य जिला अस्पतालों को चिन्हित किया जाए जहाँ पर्याप्त संसाधन हैं। इन संसाधन युक्त अस्पतालों में कैंसर विशेषज्ञ की तैनाती कर कैंसर का इलाज शुरू किया जाए। इसके अलावा शीघ्र स्क्रीनिंग के माध्यम से कैंसर के रोकथाम से जुड़ी योजनाओं का भी लाभ उठाया जाए। गैर संचारी रोग (एनसीडी) क्लीनिक का क्षमतावर्धन किया जाए और स्टाफ के लिए सिम्पल ट्रेनिंग माड्यूल विकसित किया जाए ताकि शीघ्र स्क्रीनिंग में सुविधा हो। पीपीपी मॉडल पर एकीकृत कीमोथेरेपी क्लीनिक स्थापित करने पर भी चर्चा हुई ताकि मरीज को उसके लिए दूर के शहरों तक न जाना पड़े। कैंसर के इलाज के मामले में आयुष्मान भारत के तहत मिलने वाली पांच लाख की राशि को अपर्याप्त बताते हुए उसे अन्य विवेकाधीन कोष से जोड़ने पर भी चर्चा हुई, क्योंकि कुछ राज्यों में यह राशि अधिक है। कुछ निजी जाँच एजेंसियों के माध्यम से शीघ्र स्क्रीनिंग बढ़ाने पर चर्चा हुई। कैंसर मरीजों के रेफरल और उनके फालोअप की भी बात कही गयी।

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश की मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने कैंसर की शीघ्र स्क्रीनिंग के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने पर जोर दिया। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को भी स्क्रीनिंग और फालोअप की ट्रेनिंग देने की बात कही। इसके अलावा स्कूलों और कम्युनिटी में व्यापक जागरूकता लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 30 साल से अधिक उम्र की महिलाओं की स्क्रीनिंग में सावधानी बरतते हुए ब्रेस्ट कैंसर की गंभीरता से उन्हें बचाया जा सकता है।

बैठक में साचीज की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संगीता सिंह ने आयुष्मान भारत योजना के तहत कैंसर के इलाज को और सुविधाजनक बनाने को लेकर आये सुझावों का स्वागत किया।

तमंचे के साथ वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार तमंचा भी बरामद, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था वीडियो

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ, सरोजनी नगर में तमंचे के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी के विरुद्ध सरोजनी नगर पुलिस ने सक्रियता दिखाई। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया आरोपी के पास से पुलिस ने तमंचा भी बरामद कर लिया है सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसमें एक युवक हाथ में तमंचा लिए दिखाई दे रहा था वीडियो में बैकग्राउंड म्यूजिक चल रहा था वायरल वीडियो से आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल था। सरोजनी नगर पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए आरोपी की पहचान कराई और मुखबिर की सूचना पर बुधवार रात करीब 10:बजे पुलिस ने युवक को सरोजिनी नगर क्षेत्र के आसाराम

आश्रम के निकट मैदान में मौजूद युवक को मौके से धर दबोचा धर और पुलिस ने उसके पास से 12 बोर का देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद कर लिया पुलिस की पूछताछ में युवक की पहचान में आरोपी ने अपना नाम वारिस खान निवासी मूल रूप से बलिया जिले के खेजूरी थाना अंतर्गत भूड़ाडीह हथौज और वर्तमान में सरोजनी नगर क्षेत्र के अंतर्गत अवध विहार कॉलोनी में रहता था पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी को जेल भेज दिया।

कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने किया गौठान का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा एवं उपाध्यक्ष महेन्द्र चन्द्राकर द्वारा जिले के ग्राम कृष्णपुर एवं केषवनगर गौठान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला स्वयं सहायता समूह एवं गौठान प्रबंधन समिति से विस्तृत चर्चा किया गया तथा महिला समूह के केषवनगर के द्वारा निर्मित गोबर वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने की विधि की जानकारी ली एवं गुणवक्ता की भी तारीफ की। महिला समूह द्वारा यह बताया गया कि कुल 9 महिलाओं द्वारा संचालित वर्मी कम्पोस्ट खाद निर्माण कर 9 लाख 80 हजार रूपये का खाद विक्रय किया गया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष द्वारा गौठान में मुर्गी पालन, बकरी इकाई की जानकारी ली गयी। उन्होंने केषवनगर गौठान को उपयुक्त स्थल बताते हुए उद्यान विभाग को गौठान में फुलोत्पादन किये जाने के निर्देष दिये। महिला समूह ने गौठान में ब्रम्हास्त्र (कीटनाशक) एवं जीवामृत बनाने की विधि भी बतायी। कृषि विभाग को वर्मी कम्पोस्ट, ब्रम्हास्त्र एवं जीवामृत की लंबित भुगतान राशि का निराकरण शीघ्र करने के निर्देष दिये।

इस दौरान जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग, पशु विभाग, उद्यान विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षा हमारे जीवन को बेहतर बनाती है : रेणुका

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के मना नवोदय विद्यालय का वार्षिकोत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बसदेई स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में गुरुवार को केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह के मुख्य आतिथ्य में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि, प्राचार्य एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। विद्यालय प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद यदु। एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियो का स्वागत किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा पीटीसी के समस्त सदस्यों एवं उपस्थित समस्त अभिभावकों का स्वागत किया गया। कक्षा आठवीं की बालिकाओं द्वारा समस्त अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत क्रमशः गणेश वंदना एवं नृत्य, असम का बिहू नृत्य, बस्तरिया नृत्य, झारखंड का नागपुरी नृत्य, नृत्य नाटिका- हमारा बचपन और हमारे अभिभावक, कृष्ण को समर्पित भक्ति नृत्य, अंधविश्वास पर आधारित नाटक-बाबा भैरवनाथ, कक्षा सातवीं की बालिकाओं में खुशी चौहान एवं सहेलियों द्वारा समूह नृत्य, गलती से मिस्टेक गीत पर कक्षा सातवीं के बालकों द्वारा मनभावन नृत्य, जागरूकता का संदेश देने वाला नाटक -पेड़ बचाओ, जीवन बचाओ, उड़ीसा का संबलपुरी नृत्य ,मूक अभिनय- मोबाइल एडिक्शन, गुजरात का गरबा नृत्य ,कुमारी पलक शर्मा द्वारा एकल नृत्य , अंशिका और ग्रुप द्वारा -डारा लोर गेहे-छत्तीसगढ़ी नृत्य,

धनंजय और साथी द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, ललिता एवं साथी द्वारा साउथ इंडियन डांस, ज्ञानेश्वरी एवं साथियों द्वारा राजस्थानी मटकी नृत्य की मनभावन प्रस्तुति की गई। वर्ष 2022 -23 में संगीत में राष्ट्रीय स्तर की जंबूरी प्रतियोगिता में राजस्थान के पाली शहर में देश की वर्तमान राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में स्मिता राजवाड़े ,श्रेया साहू, अनीशा तिर्की ,परी गुप्ता, शिवानी राजवाड़े, कृतिका सिंह, कृतिका सिंह द्वितीय एवं आकृति गुप्ता, संगीत शिक्षक लोकेश कुरमा को सम्मानित किया गया। सुब्रतो कप फुटबॉल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बालियोस एक्का एवं हेमंत मेरे को अंतर सदस्य प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उदयगिरि सदन वरिष्ठ के सदनाध्यापक आशुतोष कुमार सिंह एवं उदयगिरि कनिष्ठ के सदन अध्यापक श्रीधन गुण, सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले कक्षा छठवीं के विद्यार्थी तन्मय पटेल एवं कला उत्सव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कक्षा 12वीं के विद्यार्थी सौम्या गुप्ता को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पालक प्रतिनिधि आलोक साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि प्राचार्य डॉ राजेंद्र यदु के मार्गदर्शन और निर्देशन में विद्यालय बहुत ही व्यवस्थित और अनुशासित ढंग से संचालित हो रहा है। उनके कार्यकाल को बढ़ाने हेतु उन्होंने मुख्य अतिथि के समक्ष पालक प्रतिनिधियों की ओर से अपना अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने विद्यालय में प्रतीक्षालय भवन एवं विद्यालय वाहन की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य डॉ यदु ने कहा कि मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ की एक ऐसी कर्मठ, जागरूक, कर्तव्यनिष्ठ और राजनीति के क्षेत्र की नक्षत्र हैं। जिनके माध्यम से इस क्षेत्र का चतुर्दिक विकास हो रहा है। क्योंकि नेता की नीति ही समाज की स्थिति सुनिश्चित करती है। इनका बहुत ही सहज ,सौहार्दपूर्ण व्यवहार है।

इन्होंने शिक्षा पर्यावरण सामाजिक समरसता एवं वैज्ञानिक सोच को सदैव ही प्रमुखता दी है इनका दृष्टिकोण सकारात्मक है विद्यालय सदैव इनका आभारी रहेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहाँ मुझे बहुत ही अपनापन और सम्मान प्राप्त हुआ है। विद्यार्थियों को शिक्षा का बेहतरीन अवसर यहां प्राप्त होता है। पढ़ाई हमारे जीवन को बेहतर बनाता है। विद्यालय के प्राचार्य के कुशल प्रबंधन से अति प्रसन्न हूं मैं चाहती हूं की ये अपना कार्य आगे भी देते रहें। संचालन व्यवस्था और शैक्षणिक उपलब्धियों से प्रसन्न हूँ। मैं अपने स्तर पर भरसक प्रयास करूंगी। 5 प्रण जो मोदी जी की थीम है उस थीम को लेकर हम आगे बढ़े। भारत सरकार ने 2047 का विजन और मिशन रखकर सभी क्षेत्र में काम प्रारंभ किया है हम सब की महती जिम्मेदारी है कि हम सभी प्रधानमंत्री के कार्यों में कदम से कदम मिलाकर सहयोग करें। आप सभी छात्र-छात्राओं से देश को, समाज को और परिवार को अपेक्षाएं हैं। आप सभी अपने अपने क्षेत्र में अपना 100 प्रतिशत दे। उन्होंने प्रतीक्षालय कक्ष बनाने एवं विद्यालय वाहन उपलब्ध कराने की घोषणा की।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र राजवाड़े, मार्तंड साहू, राजेश तिवारी, राज किशोर चौधरी ललित गोयल, शशीकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, रामविलास सिंह, पालक प्रतिनिधि आलोक साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनका विद्यालय परिवार ने स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन सी.के.चौहान तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ जेड. एच. सिद्धकी द्वारा किया गया।

मन की बात अब होगी जन जन के साथ

मन की बात के सौवें एपिसोड को यादगार बनाने तैयारियों में जुटी भाजपा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर माह अंतिम रविवार को रेडियो के माध्यम से देश के अलग अलग क्षेत्रो में उत्कृष्ट

योगदान देने वाले लोगो से मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधा संवाद करते हैं रेडियो में मन की बात के 100 एपिसोड पूरे होने वाले हैं. 30 अप्रैल को 100वें एपिसोड का प्रसारण किया जाएगा इस एपिसोड को खास बनाने के लिए केंद्र द्वारा काफी तैयारियां की जा रही है। केंद्र सरकार 100 वें एपिसोड के प्रसारण को यादगार बनाने के लिए 100 का स्मारक सिक्का भी जारी करेगी। इसी कड़ी में जिला भाजपा द्वारा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, जिला प्रभारी राजा पांडेय, विधानसभा प्रेमनगर प्रभारी रामेश्वर पाण्डेय, भटगांव विधानसभा प्रभारी प्रबोध मिंज, जिलामहामंत्री मुरली सोनी व राजेश महलवाला की उपस्थिति मे पूरे जिले में मन की बात कार्यक्रम को पूरे जोर शोर से जनता के बीच पहुँचकर करने के लिए भाजपा पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक ली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि पीएम के इस कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को हर बूथ पर राजनीतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक जनों के साथ सुनने की योजना है। जिला संगठन प्रभारी राजा पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने कार्यक्रम में अंतिम पायदान तक से सीधा संवाद करते हैं और उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो को रेडियो के माध्यम से देश की जनता के साथ बाँट कर उन्हें और उन जैसे अनन्य समाज सेवको को प्रोत्साहित भी करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भाजपा इसे प्रदेश के घर-घर पहुंचाने की योजना बना रही है और इस हेतु लोगों को जागरूक भी कर रही है। मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक शशि तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का 100 वा संस्करण को लेकर जिले में व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। मन की बात का 100वाँ संस्करण ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए बूथ अंतर्गत आने वाले 200 घरों में निमंत्रण पत्र भेजा जाएगा उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि निमंत्रण पत्र का वितरण बूथ के अध्यक्ष एवं बूथ के मन की बात के प्रभारी के द्वारा किया जाएगा तथा मन की बात सुनने के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में हर बूथ पर अतिथि का चयन किया गया है।आईटी सेल जिला संयोजक शिव राजवाडे ने नमो एप पर मन की बात कार्यक्रम के फोटो व जानकारी अपलोड करने की विस्तृत जानकारी दी। वर्चुअल बैठक में जिला पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष महामंत्री व वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए।

कलेक्ट्रेट में तोड़फोड़ मामले में भाजयुमो जिलाध्यक्ष समेत 6 पर अपराध दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संयुक्त जिला कार्यलय में तोड़फोड़ के मामले में कोतवाली पुलिस ने भाजयुमो जिलाध्यक्ष व शहर मंत्री समेत 6 लोगो के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज किया है। कलेक्टर कार्यालय में सहायक अधीक्षक भू अभिलेख अधिकारी नीरजकांत तिवारी ने थाने में शिकायत दर्ज करते हुए बताया है कि 27 अप्रैल को रविन्द्र भारती जिलाध्यक्ष भाजयुमो के नेतृत्व में बेरोजगारी भता नहीं दिये जाने के विरोध में रोजगार कार्यालय का घेराव रैली व कलेक्टर कार्यालय में तालाबंदी करने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। प्रदर्शनकारी रविन्द्र भारती, किशन देवांगन, संस्कार अग्रवाल, प्यारे साहू, आकाश साहू, विशाल देवांगन व अन्य के द्वारा बल का प्रयोग करते हुए पुलिस बल के द्वारा लगाये वैरिकेट को तोड़कर संयुक्त जिला कार्यालय भवन के मुख्य प्रवेश द्वार में लगे स्लाईडिंग गेट के कांच को तोड़ दिया गया। जिस संबंध में संयुक्त कलेक्टर द्वारा थाना प्रभारी को दिये आवेदन पत्र को थाना सूरजपुर में पेश किया गया। जिसपर कोतवाली पुलिस ने धारा 147,148 सार्वजनिक संपति नुकसान निवारण अधि0 की धारा का अपराध घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कलेक्टर ने आवेदकों को किया वन अधिकार पत्र प्रदाय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम सुरता तहसील रामानुजनगर के आवेदकगण जगमोहन, ननका, हृदय सिंह एवं किसून राम द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। वर्ष 2012 में आवेदकगण द्वारा वन अधिकार पत्र हेतु आवेदन किया गया था। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा द्वारा आवेदन भू-अभिलेख कार्यालय सूरजपुर को प्रेषित कर निर्देश दिया गया, कि आवेदकगणों को वन अधिकार पत्र की प्रति प्रदाय किया जाये। उक्त आदेश के परिपालन में भू-अभिलेख कार्यालय द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए प्रकरण में संलग्न वन अधिकार पत्र की प्रति सत्यापित कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसे कलेक्टर द्वारा आवेदकगणों को वन अधिकार पत्र प्रदाय की गई। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर डॉ. प्रियंका वर्मा व सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख बिहारी लाल राजवाड़े उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं की सतत निगरानी में एप होगा सहायक : कलेक्टर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आहूत की गई। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, वन मण्डलाधिकारी, डिप्टी कलेक्टर प्रियंका वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी, गायत्री परिवार के प्रतिनिधि, विकास खण्ड स्तर से परियोजना अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, ए.एन.एम., स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।गर्भवती माताओं को समय पर दवाई एवं शासन की सभी योजनाओं का लाभ प्रदान हो सके इस उद्देश्य से शत-प्रतिशत महातारी सुरक्षा अभियान मोबाईल एप्प का शुभारंभ किया गया। इस मोबाईल एप्प के माध्यम से एक गर्भवती माता को शासन की सभी योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को स्वस्थ्य पूर्वक जन्म देने हेतु प्रेरित करना है। इस एप्प के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत जननी सुरक्षा योजना, श्रम विभाग अंतर्गत भगनी प्रसुती योजना, पंचायत विभाग द्वारा पंजीकृत मनरेगा माताओं को लाभ प्रदान करना है। इस एप्प के माध्यम से गर्भवती माताओं के डाटा संधारण में मदद मिलेगी तथा आकड़ो में एकरूपता रहेगी। इसके साथ ही त्वरित डाटा उपलब्ध रहेगा, जिससे जिले के स्वास्थ्य एवं पोषण के आकड़ों पर निगरानी रखी जा सकती है। साथ ही इस एप्प के माध्यम से ऐसी माताओं को चिन्हांकित किया जा सकता है। जिन्हें विशेष देखभाल की आवश्यकता है। जिले में लगभग 9 हजार गर्भवती माताएं हैं, जिन्हें एक विशेष प्रकार का कार्ड प्रदान किया जावेगा। जिससे वे अपना स्वयं मूल्यांकन कर सकें और समय पर दवाई का सेवन कर सकें साथ ही स्वास्थ्य जांच का भी लाभ अपने एवं अपने गर्भ में पल रहे शिशु को दे सकें।

जिले में 7 पोषण पुर्नवास केन्द्र हो रहे संचालित

कुपोषण को दूर करने के उद्देश्य से जिले में पूर्व से संचालित 3 पोषण पुनर्वास केन्द्र के स्थान पर वर्तमान में 7 पोषण पुर्नवास केन्द्र संचालित हो रहें है जिनके माध्यम से कुपोषित बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। गर्भावस्था के दौरान माता के गर्भ में पल रहे बच्चे का गर्भ में ही 80 प्रतिशत विकास हो जाता है, ऐसी स्थिति में गर्भ में ही बच्चे को विशेष आहार, पोषण, उचित ढंग से बच्चे का लालन-पालन करना चाहिए जिससे बच्चे स्वस्थय एवं संस्कारी हो।

हेल्थ फ्राइडे के माध्यम से 841 शिविर हुए आयोजित

जिले में हेल्थ फ्राईडे के माध्यम से 841 शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ इस कारण विकास खण्ड के सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों एवं परियोजना अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य का क्रियान्वयन किये जाने हेतु कलेक्टर के द्वारा निर्देशित किया गया। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों के गर्भवती की महिलाओं की सतत् निगरानी के लिए यह एप सहायक हो सकता है। शत-प्रतिशत इस एप को चलाना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। तभी इसका सकारात्मक परीणाम मिलेगा।

ब्रोशर का किया गया विमोचन

इस अवसर पर कलेक्टर के द्वारा मिलट्स मिशन अंतर्गत मोटे अनाज को बढ़ावा देने हेतु ब्रोशर का विमोचन भी किया गया। जिससे आम जनता के द्वारा मोटे अनाज को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करें एवं उनका स्वास्थ्यगत लाभ लें सकें।

गायत्री परिवार के प्रतिनिधि सुधा चौधरी के द्वारा गर्भवती माताओं को उनके बच्चें की उचित देखभाल के संबंध में विशेष प्रस्तुत की गई। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि बच्चे का केवल मानसिक या शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक, आध्यात्मिक रूप से भी स्वस्थ्य होना आवश्यक है। बच्चा जब गर्भ में हो तो माता-पिता के क्रियाकलापों के आधार पर ही बच्चे के मस्तिष्क का विकास होता है। बच्चा गर्भ में 24 घंटे में 5 हजार शब्द को सीख सकता है अतः ऐसी स्थिति में बच्चे गर्भ में रहते हुए अच्छी अच्छी बातें करनी चाहिए, पौराणीक कहानियां धार्मिक ग्रंथ पढ़नी चाहिए, इस दौरान मोबाईल के उपयोग से बचना चाहिए। जिससे एक स्वस्थ्य एवं सामाजिक शिशु का जन्म हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कलेक्टर की विदाई भी की गई और उन्हें पुस्तक एवं उपहार देकर विदाई दी गई। इस दौरान सीडीपीओ सूरजपुर, रामानुजनगर, ओड़गी, सिलफिली, प्रेमनगर, प्रतापपुर, सुपरवाईजर दीपा बैरागी, कार्यकर्ता संघ अध्यक्ष पुष्पा सरजाल सहित अन्य सुपरवाईजर उपस्थित थे।

शिक्षा के प्रति जागरूकता हेतु डीएवी स्कूल गांव में लगा रहा जन चौपाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

ओड़गी। नए सत्र प्रारंभ होते ही डीएवी पब्लिक स्कूल के बैनर तले आज खर्रा, गुर्दा पारा, ओड़गी, केचु पारा, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा जन चौपाल लगाया गया एवं दूरस्थ अंचल के ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जोड़ने के लिए संपूर्ण जानकारी दी गई। दूरस्थ अंचल के ग्रामीणों को शिक्षा की जानकारी ना होने के कारण अपने बच्चों का सही समय पर एडमिशन नहीं करा पाते हैं जिसे लेकर डीएवी पब्लिक स्कूल ओड़गी के प्राचार्य धनंजय सिंह एवं सभी स्टाफ की उपस्थिति में जन चौपाल लगाया जा रहा है जिसमें काफी संख्या में क्षेत्र के महिलाएं एवं ग्रामीण शिक्षा के प्रति जानकारी लेने के लिए एकजुट हो रहे हैं इस मौके पर शिक्षक राजेश्वर सिंह के द्वारा बताया गया कि गांव के लोगों को शिक्षा देना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है गांव के लोग शिक्षा के प्रति संपूर्ण जानकारी नहीं रख पाते हैं जिसके कारण अपने बच्चों का सही समय पर एडमिशन नहीं करा पाते हैं परंतु डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा जो कई महीनों से जन चौपाल लगाकर शिक्षा के प्रति जानकारी दी जा रही है बहुत ही सराहनीय पहल है ऐसा प्रयास क्षेत्र के ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जानकारी देकर उनके बच्चों के भविष्य को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान साबित होगा हम सभी को यह मालूम है कि नए सत्र प्रारंभ हो चुके हैं क्षेत्र के अभिभावक भी बच्चों को एडमिशन कराने के लिए बेचैन है परंतु उन्हें सही मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा था। आज गांव में जन चौपाल लगा देने से लोगों को सही जानकारी मिली जिससे बच्चों के एडमिशन में बहुत ज्यादा योगदान साबित होगा इस मौके पर डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य धनंजय सिंह के द्वारा बताया गया कि हमारा प्रयास है कि सीबीएससी कोर्स के माध्यम से यहां के बच्चे भी इंग्लिश फराटे दार बोलें एवं उच्च शिक्षा उनको डीएवी पब्लिक स्कूल से प्राप्त हो इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं बहुत लोग सीबीएससी कोर्स की जानकारी के अभाव में एडमिशन नहीं करा रहे थे परंतु जन चौपाल लगाने के बाद से ग्रामीण सीबीएसई कोर्स के विषय में जाने और एडमिशन कराने के लिए रुचि ले रहे हैं जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों का बहुत बड़ा योगदान है किसी भी संस्था और क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्र के ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों का योगदान होना अति आवश्यक होता है तभी क्षेत्र आगे बढ़ता है शिक्षिका नमिता गुप्ता एवम प्रभा यादव के द्वारा महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया गया कि आप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए अच्छा प्रयास करें हम सभी आपके गांव में आए हैं और आपको सीबीएससी कोर्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं जिससे आपके गांव के बच्चे उच्च शिक्षा को ग्रहण कर आगे बढ़ सके इस मौके पर डीएवी के समस्त स्टाफ एवं गांव के ग्रामीण काफी संख्या में उपस्थित रहे।

सरगुजा फ्रंटलाइन

महतारी 102 एंबुलेंस: गर्भवती महिलाओं व नवजातों के लिए जीवनदायिनी

पहुंचविहीन क्षेत्रों से कांवर में ढोकर प्रसूताओं को सड़क मार्ग तक लाने में भी पीछे नहीं

Surguja Zone April'22 - March'23

Districts	Antenatal Checkup	Be Half 108	COVID19	Drop Back Request	Home to Hospital	IFT	Neonatal	Grand Total
Balrampur	8647	7	0	8422	9249	2379	2181	30885
Jashpur	6537	0	0	5203	3843	671	2030	18284
Koriya	3864	1	0	3111	3174	788	590	11528
Manendragarh Chirmiri	3402	3	0	2974	2691	532	549	10151
Surajpur	5338	0	0	4962	4144	1055	1206	16705
Surguja	5722	6	0	9519	6670	1524	1346	24787
Total	33510	17	0	34191	29771	6949	7902	112340

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जब भी किसी गर्भवती महिला या नवजात शिशु को अस्पताल लेकर जाना हो, तो डॉयल 102 लोगों को बरबस ही याद आ जाता है। पहुंचविहीन क्षेत्रों की परवाह किए बिना महतारी एक्सप्रेस के पायॅलट व ईएमटी गंतव्य की ओर रवाना हो जाते हैं। इसके बाद लोकेशन लेते संभव हुआ तो गर्भवती महिला या बच्चे के घर तक पहुंच जाते हैं। रास्ता खराब होने की स्थिति में कई बार पीड़ितों को सड़क मार्ग के अंदरूनी गांवों से ग्रामीणों के सहयोग से ढोकर लाते देखा गया है। निश्चय ही ऐसे सेवाभाव के कारण बीमार या गर्भवती महिला या नवजात शिशु को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या मेडिकल कॉलेज अस्पताल तक ले जाने के लिए बेहिचक 102 में डॉयल कर इसकी सेवा प्राप्त करते हैं।

महतारी एक्सप्रेस 102 के संभागीय प्रभारी डॉ.दीपक नीलकंठ का कहना है कि महतारी एंबुलेंस गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के जीवनदायिनी साबित हो रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 102 महतारी एक्सप्रेस से सरगुजा संभाग में गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच एवं प्रसव होने के बाद 0 दिन से एक वर्ष तक के बच्चों को घर से अस्पताल लाकर जांच कराने व अस्पताल से घर तक छोड़ने में 102 महतारी एंबुलेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्तीय वर्ष की इस अवधि में सरगुजा संभाग से एएनसी के कुल 33510 केस अस्पताल लाए गए। इसके अलावा अस्पताल से घर 34191, घर से अस्पताल आने वालों की संख्या 29771 रही। 7902 नवजात शिशुओं को इस सुविधा का संपूर्ण नि:शुल्क लाभ मिला, इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2022-23 की अवधि में एक लाख 12 हजार 340 महिलाएं और बच्चे इस सुविधा से लाभांवित हुईं। बता दें कि गर्भवती महिलाओं को दिन हो या रात, सूचना मिलते ही दूरस्थ क्षेत्रों से अस्पताल पहुंचकर जरूरत पड़ने पर जांच व प्रसव की नि:शुल्क सेवा का लाभ दिलाने में मदद करना जैसी सेवा भी महतारी एक्सप्रेस के पॉयलट व ईएमटी करते देखे जाते हैं। देखा जाए तो छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं और बच्चों की जीवनरक्षा के साथ समय पर समुचित उपचार का लाभ शासकीय अस्तपालों में दिलाने बड़ी सौगात सिर्फ सरगुजा संभाग के लोगों को नहीं अपितु पूरे प्रदेश वासियों को दी है।

39 नवजातों का जन्म एंबलुंस में

प्रसव पीड़िता को अस्पताल लेकर आने के लिए निकलने वाले कर्मचारियों के सामने कई बार ऐसी परिस्थिति बनती है कि प्रसव पीड़ा बढ़ने पर उन्हें महिला का बीच रास्ते या जंगल क्षेत्र में स्वजनों की मदद से प्रसव कराना पड़ता है। ऐसे हालात कई बार बने हैं, प्रसूताओं ने स्वच्छ बच्चे को एंबुलेंस में जन्म दिया है, बाद में जच्चा व बच्चा की सलामती के लिए इन्हें नजदीकी शासकीय अस्पतालों में ये कर्मचारी भर्ती करा देते हैं, ताकि उन्हें समुचित उपचार सुविधा का लाभ मिल सके। डॉ.दीपक नीलकंठ ने बताया कि अप्रैल 2022 से मार्च 2023 की अवधि में महतारी 102 एंबुलेंस में 39 नवजात शिशुओं का जन्म ईएमटी व पॉयलट ने प्रसव पीड़िता के स्वजनों के सहयोग से कराया, बाद में इन्हें शासकीय अस्पताल में भर्ती भी कराया, ताकि वे शासन की ओर से प्रसूताओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का लाभ लेने से वंचित न होने पाएं।

नक्सलियों के कायराना हरकत की पिछड़ा वर्ग कांग्रेस ने की निंदा

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर शहीदों को किया नमन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। दंतेवाड़ा के अरनपुर में नक्सलियों द्वारा की गई कायरतापूर्ण कार्रवाई के परिप्रेक्ष्य में जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग सरगुजा के अध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता ने बयान जारी कर जघन्य कृत्य की घोर निन्दा की एवं सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चूंकि नक्सलवाद के खात्मे की तरफ योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, लड़ाई अंतिम दौर में है, इससे विचलित होकर व नक्सलवाद का खात्मा होते देख नक्सलियों ने दंतेवाड़ा के अरनपुर में कायराना हमला किया, जिसमें 10 जवान और एक चालक शहीद हो गए। लक्ष्मी गुप्ता के निर्देश पर सभी ब्लॉकों के चौक एवं अंबिकापुर के घड़ी चौक पर कैंडल जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं शहीद जवानों के शोकाकुल परिवारों को दु:ख सहन करने की ईश्वर शक्ति प्रदान करें, इसकी ईश्वर से प्रार्थना की गई। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग सरगुजा ने कहा दु:ख की घड़ी में हम सब शहीद जवानों के स्वजनों के साथ हैं। श्रद्धांजलि सभा में सत्य प्रकाश शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष पि.व. कांग्रेस अंबिकापुर, कमलेश यादव, बलराम सोनी महामंत्री पि.व. कांग्रेस सरगुजा, कलाम सिद्दीकी सह महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा, सुरेश गुप्ता अध्यक्ष किसान मित्र व्यापारी संघ, अनित पुरी प्रदेश सचिव एवं कोरिया प्रभारी सेवादल, निखिल गुप्ता जेल संदर्शक, मो.आरिफ खान सचिव पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, जफर खान, इश्तियाक बउआ खान जनसेवक, प्रदीप गुप्ता, विमलेश गुप्ता, शत्रुधन गुप्ता, साकिब फिरदौसी अध्यक्ष यंग ब्रिगेड सेवादल, रोहन साहू ब्लॉक महामंत्री, अभियोदय सोहना छात्र नेता, फरहान आलम एनएसयूआई महामंत्री, सूरज जायसवाल सचिव एनएसयूआई, आयुष, दीपक यादव ब्लॉक सचिव, राज मानिकपुरी, करन मिर्धा, संजर नवाज, फैजल, सैफ, भोला सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

फर्जी पट्टा बनवाने की शिकायत पर विस्तृत जांच के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। तहसीलदार बतौली ने बताया कि तहसील क्षेत्र बतौली के ग्राम भटको, करदना, कालीपुर में कतिपय लोगों द्वारा फर्जी पट्टा बनवा लेने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है, जिसकी विस्तृत जांच हेतु खाद्य मंत्री अमरजीत भगत एवं कलेक्टर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सीतापुर एवं तहसीलदार बतौली को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच उपरांत कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच के लिए टीम गठित कर ली गई है।

सड़क के नाम पर शासन से मिले 20 करोड़ रुपये के वारा-न्यारा की तैयारी

लोनिवि उप संभाग वाड्रफनगर ठेकेदार के माध्यम से करा रहा सड़क उन्नयन, नवीनीकरण सहित अन्य कार्य

छ.ग.फ्रंटलाइन प्रतापपुर। सड़क मरम्मत कार्य में खानापूर्ति करके गड्ढों में मिट्टी भरने से अभी से करोड़ों रुपये के बंटाधार की बू आने लगी है। सड़क के मरम्मत कार्य में बरती जा रही लापरवाही से लोगों में भारी नाराजगी है। छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आम लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से बनारस मुख्य मार्ग, पोड़ी मोड़, घाट पेंडारी सड़क उन्नयन एवं नवनीकरण कार्य का फीता काटकर शुभारंभ किया था, जिसकी लागत 20 करोड़ रुपये है। यह कार्य ठेकेदार एवं

विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा है कि शासन के रुपये की बर्बादी स्पष्ट देखने को मिल रही है। सड़क पर बने गड्ढों में मिट्टी डालने की खानापूर्ति की गई है। मरम्मत के नाम पर गड्ढों को डस्ट एवं मिट्टी डालकर भर दिया गया है। सूत्रों की मानें तो उक्त ठेकेदार ने जिले भर में जितने सड़क निर्माण या पेंच वर्क कराए हैं वो घटिया एवं गुणवत्ताहीन हैं। कम दर में टेंडर लेने की होड़ में सड़कों की दुर्गति हो रही है। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य का ठेका प्राप्त करने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया जाता है। बाद में सड़क ऐसी बनाई जाती है कि साल भर में उखड़ना शुरू हो जाती है। गोविंदपुर से रमकोला मार्ग, जहां से भारी वाहनों का आना-जाना लगे रहता है और सड़कों में धूल का गुबार उड़ते देखने को मिलता है, साथ ही सड़कों पर सैकड़ों गड्ढे नजर आते हैं, जो हादसे को न्योता दे रहे हैं। सड़क की स्थिति काफी खराब है। मरम्मत के नाम पर छोटे-छोटे गड्ढों को पाट दिया गया है, लेकिन बड़े गड्ढे जान का दुश्मन बने हुए हैं।

अटल बिहारी वाजपेई स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में पतराटोली ने अटल कप व 51 हजार पर किया कब्जा

मेंड्राकला में खेले गए रात्रिकालीन प्रतियोगिता का भव्य समापन, उपविजेता महेशपुर की टीम को 25 हजार ईनाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ग्राम पंचायत मेंड्राकला में चल रहे अटल बिहारी वाजपेई स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन पतराटोली एवं महेशपुर के बीच फाइनल मैच के साथ हुआ, जिसमें पतराटोली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 84 रन बनाए, 85 रन के लक्ष्य के पीछा करने उतरी महेशपुर की टीम को 35 रन से हराया। नवयुवक संगठन मेंड्राकला के द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था, जिसमें 32 टीमों ने भाग लिया, साथ ही कई मैत्री मैच भी खेले गए, जिसमें अंबिकापुर के डॉक्टर एवं एडवोकेट 11, पटवारी एवं आम नागरिक, इंजीनियर एवं डॉक्टर की टीमों के बीच हुए मैच भी टूर्नामेंट के आकर्षण का केंद्र रहे। 18 दिनों तक चले इस प्रतियोगिता का उद्घाटन

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री एवं राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, मेजर अनिल सिंह, भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे एवं प्रतियोगिता के संरक्षक भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं अंबिकापुर नगर निगम के पार्षद विश्वविजय सिंह तोमर ने किया, जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष राम केश्वर राजवाड़े, महामंत्री विवेक सिंह, संजय राजवाड़े, जनपद सदस्य मटुक दास एवं अन्नू यादव, जय सिंह, राम पहल राम राजवाड़े एवं ग्राम के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति रही। फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि जिस प्रकार से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, वह नेशनल स्तर के टूर्नामेंट का रूप लिया हुआ था, उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई दी। प्रतियोगिता के संरक्षक विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा अटल बिहारी वाजपेई युवाओं के आदर्श हैं। इस देश को आगे ले जाने में उनका अहम योगदान रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया, इसलिए नवयुवक समिति मेंड्राकला ने उनके नाम पर इस आयोजन को कराया और उनको सच्ची श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा युवाओं को अपने समाज, राज्य और राष्ट्र के विषय में जरूर चिंतन करने के साथ ही सकारात्मक योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन दिगंबर यादव ने किया। समापन समारोह में जनपद उपाध्यक्ष बिशुन दास महंत, श्याम सुंदर ठाकुर, बड़हा राम मिंज, सरपंच सुमित्रा, देवनंदन तिर्की, नवयुवक समिति मेंड्रा कला के अध्यक्ष मनोहर मिंज, विनय राज ठाकुर, केवल यादव, मुन्ना गुप्ता, रोहित मिंज, अनिल मिंज, बुलबुल, राजेश, रामकुमार, देवाचंद, शिवलोचन, दिलदार, सूरज, प्रमोद, हिमालय, संतलाल सहित अन्य युवा सक्रिय रहे।

मानव जीवन का परमोद्देश्य आत्मसाक्षात्कार: स्वामी सत्यानन्द

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अग्रसेन भवन में चल रहे सप्त दिवसीय संत सम्मेलन के पांचवें दिन वृंदावन से आए सोहम पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानंद महाराज ने कहा हमारे जीवन का परम उद्देश्य आत्म साक्षात्कार करना अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप को जानना है, या यों कहें संसार सागर से पार होना है। ऐसे में हमें अपने कल्याण के विषय में सदा ही विचार करते रहना चाहिए। मानव जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है, यह बार-बार प्राप्त हो ही जाए यह आवश्यक नहीं है। अत: मैं कौन हूं? यह संसार क्या है? जीव और माया क्या है? परमात्मा से मिलन कैसे संभव हो? इसके बारे में चिंतन करते रहना चाहिए और महापुरुषों के सान्निध्य में जाकर एवं गीता, रामायण भागवत आदि ग्रंथों का अध्ययन करते हुए इन सभी प्रश्नों को जानने की कोशिश करना चाहिए। सत्संग में रामायणी स्वामी ज्ञानानंद ने रामचरित के महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए। प्रणवानंद, प्रज्ञानंद ने श्रीमद्भागवत के रसिक कथा का श्रवण कराया। नारायणानंद व अरुण स्वरूप ने भी सत्संग से लोगों को आनंदित किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं व आयोजन समिति की ओर से संतों का स्वागत व सुमधुर आरती का गायन किया गया।

इंटर डिस्ट्रिक्ट मुकाबले में सरगुजा के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

अंडर-19 मैच में खूब लगे चौके-छक्के, सरगुजा ने सेमीफाइनल के लिए ठोकी दावेदारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के गांधी स्टेडियम में सीएससीएस द्वारा आयोजित अंडर-19 के इंटर डिस्ट्रिक्ट मुकाबले में पहला क्रिकेट मैच सरगुजा और कोरिया के मध्य 25 से 27 अप्रैल के बीच खेला गया। इसमें सरगुजा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया, लेकिन कोरिया जिले के बल्लेबाजों ने सधी हुई शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। पहले विकेट के साथ सभी बल्लेबाजों ने धीरे-धीरे कोरिया का स्कोर 318 रनों तक पहुंचाया, जिसमें दक्ष यादव ने सर्वाधिक 49 रनों का योगदान दिया, जिसमें 10 चौके एवं एक गगनचुंबी छक्का शामिल था। हरविंदर सिंह ने 4 चौकों और 3 छक्कों के साथ 35 रन बनाए। श्रेयस सिन्हा ने 44 रन बनाए। सरगुजा की तरफ से आराध्य गुप्ता ने पंजा खोला, सौम्य को 2, अखिलेश एवं

अविनाश को 11 विकेट मिला। जवाब में सरगुजा ने अपनी पहली पारी की शुरूआत अमृतांश एवं दक्ष के साथ की और पहले विकेट के लिए 47 रन जोड़े। दक्ष के रूप में पहला विकेट गिरा, नियमित अंतराल में विकेट गिरते गए। कृष चोपड़ा को छोड़ कोई भी बल्लेबाज 40 के आंकड़े को नहीं छू पाया। कृष चोपड़ा ने सर्वाधिक 77 रन बनाए, जिसमें 11 चौके एवं 3 छक्का शामिल था। हर्ष दुबे ने 34 अखिलेश ने 28 और अमित शर्मा ने 26 रन बनाए और सरगुजा को 59.5 ओवर में 241 रन तक पहुंचाया। कोरिया को पहली पारी के आधार पर 77 रनों की बढ़त मिली, दूसरी पारी जब कोरिया के बल्लेबाजों ने शुरु की तो मैच का पासा ही पलट गया और सरगुजा के गेंदबाजों ने बेहतरीन वापसी करते हुए दूसरे दिन के अंत तक कोरिया का स्कोर 38-8 करके मैच का रोमांच अपने चरम पर ला दिया। तीसरे दिन सुबह की बारिश ने माथे पे चिंता की लकीरें अवश्य खींच दी थी, लेकिन खेल दो घंटे देरी से चालू हुआ और 9 बजे दिन की शुरूआत होने तक महज 4 ओवर में ही कोरिया के बाकी दोनों बल्लेबाजों को पैवेलियन लौटा दिया गया। आराध्या गुप्ता को 6 और अखिलेश शर्मा को 4 सफलता मिली, जिससे सरगुजा को 131 रनों का लक्ष्य मिला, जो तीसरे दिन आसान नहीं था। विकेट अपना स्वभाव पल-पल में बदल रहा था, लेकिन अमरीतांश शुक्ला ने सधी और कड़क बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए दक्ष के साथ 67 रन जोड़े, दूसरे छोर पर दक्ष ने धीमी बल्लेबाजी करते हुए अपना छोर बचाए रखा और सरगुजा ने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तीन विकेट खोए और इस मैच को 7 विकेट से अपने नाम किया। प्रतियोगिता का अगला मैच 28 अप्रैल को कोरिया एवं जशपुर के मध्य खेला गया, सरगुजा ने इस मैच को जीतकर छह प्वाइंट अर्जित किया और सेमीफाइनल में अपनी जगह के लिए दावेदारी ठोक दी है। सरगुजा क्रिकेट संघ में हर्ष है, उन्होंने सारे सदस्यों ने जीत की बधाई दी है। उक्ताशय की जानकारी जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनीत जायसवाल ने दी।

नपं में विकास कार्य ने पकड़ी रफ्तार, सड़क डामरीकरण का काम शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले के नगर पंचायत भटगांव में विकास कार्य को गति देने का काम क्षेत्रीय विधायक पारसनाथ राजवाड़े के मार्गदर्शन और नगर पंचायत अध्यक्ष सूरज गुप्ता के प्रयास से हुआ है। इसी तारतम्य में 85 लाख रुपये की लागत से सड़क डामरीकरण के कार्य में तेजी आने से क्षेत्रवासी हर्षित हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष सूरज गुप्ता ने बताया कि नगर पंचायत भटगांव अंतर्गत की सड़कें सही नहीं थी, इन सभी सड़कों का डामरीकरण कराया जा रहा है। नगर पंचायत क्षेत्र के रोड की खराब स्थिति को देखते हुए उनके द्वारा डामरीकरण कराने का प्रयास किया जा रहा था। क्षेत्रीय विधायक पारसनाथ राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह सफलता प्राप्त हुई और 85 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई, कार्य आज प्रारंभ कर दिया गया है। जल्द ही नगर पंचायत क्षेत्र की सभी सड़कों का डामरीकरण होने के बाद चकाचक दिखाई देंगी। अन्य विकास कार्य के लिए नगर पंचायत की ओर से प्रयास किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र के सभी रहवासियों को सुविधा मिल सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक- कमलेश मिश्रा